CMYK CMYK

रूफ़्टॉप सोलर में गुजरात अव्वल, 5 लाख इंस्टॉलेशंस, 1,879 मेगावाट क्षमता हासिल

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

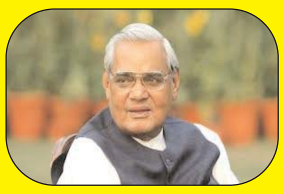

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के मौके पर, प्रधानमंत्री 25 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-62 > अंक - 01 रायपुर गुरूवार 25 दिसंबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

मोदी केबिनेट ने लिया बड़ा फैसला, राजधानी को धुएं और प्रदूषण से मुक्ति दिलाने वाली योजना को दी मंजूरी

एजेंसी

आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जो निर्णय लिया गया, वह दिल्ली की दमघोंटू हवा के खिलाफसीधी जंग का ऐलान है। हम आपको बता दें कि मोदी मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना के चरण पांच ए को स्वीकृति देकर यह साफकर दिया है कि अब राजधानी को यूं ही धुएं और जाम के हवाले नहीं छोड़ा जाएगा। बारह हजार पंद्रह करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सोलह किलोमीटर लंबी इस नई मेट्रो विस्तार योजना में तेरह नए स्टेशन होंगे, जिनमें दस भूमिगत और तीन एलिवेटेड होंगे। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो नेटवर्क चार सौ किलोमीटर की ऐतिहासिक सीमा पार कर लेगा। यह वही दिल्ली है जहां रोजाना औसतन पैंसठ लाख लोग मेट्रो से सफर करते हैं और सड़कों पर गाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस परियोजना के तहत तीन नए गलियारे विकसित किए जाएंगे। पहला गलियारा रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक बनेगा, जो कर्तव्य भवन जैसे अहम प्रशासनिक क्षेत्र को सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी देगा।

दुनिया का सबसे भारी सेटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-3 लॉन्च

इसरो ने रचा इतिहास, संचार उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में किया स्थापित

16 मिनट में 6100 किलो वजनी संचार उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया

एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इतिहास रच दिया है। दरअसल इसरो ने इस साल के अपने आखिरी मिशन में सबसे भारी संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह पूरी तरह से कॉमर्शियल लॉन्चिंग रहा। मिशन के तहत अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के 6100 किलो वजनी ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 संचार उपग्रह को 520 किलोमीटर दूर स्थित पृथ्वी की निचली कक्षा में 16 मिनट में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इसरो ने इसकी लॉन्चिंग के लिए अपने एलवीएम3 रॉकेट का इस्तेमाल किया, जिसे इसकी क्षमताओं के चलते 'बाहुबली' रॉकेट भी कहा जाता है। ये इस लॉन्च व्हीकल की छठवीं उड़ान रही और वाणिज्यिक मिशन के लिए तीसरी।

यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 8:55 बजे हुई। इसरो के मुताबिक, करीब

16 मिनट की उड़ान के बाद संचार उपग्रह रॉकेट से अलग होकर लगभग 520 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया गया। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) और अमेरिका की AST स्पेसमोबाइल (AST and Science, LLC) के बीच हुए कॉमर्शियल समझौते का हिस्सा है।

मोदी ने ट्वीट कर जताई खुशी

इसरो की सफल लॉन्चिंग पर खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया। जिसमें पीएम मोदी ने लिखा, 'भारत के युवाओं की ताकत से, हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम ज्यादा आधुनिक और असरदार बन रहा है। LVMx ने भरोसेमंद हैवी-लिफ्ट प्रदर्शन दिखाया है, जिससे हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशन के लिए नींव मजबूत कर रहे हैं, कमर्शियल लॉन्च सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं और वैश्विक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। यह बढ़ी हुई क्षमता और आत्मनिर्भरता को मिला बढ़ावा आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत बढ़िया है।'

लॉन्च की गई सैटेलाइट क्यों है खास

ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह एक अगली पीढ़ी (नेक्स्ट जेन) की प्रणाली का हिस्सा है। अगर यह उपग्रह सही कक्षा में स्थापित हो जाता है और कंपनी के परीक्षण सफल होते हैं तो इसके जरिए 4जी और 5जी स्मार्टफोन पर सीधे सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी मिलेगी। उपभोक्ता को किसी अतिरिक्त एंटीना या कस्टमाइज्ड हार्डवेयर की जरूरत नहीं होगी। फिलहाल सेलफोन को 4जी या 5जी नेटवर्क हासिल करने के लिए मोबाइल टावर की जरूरत होती है, लेकिन इस उपग्रह के सफल होने के बाद टावर का काम खत्म हो सकता है। इस सैटेलाइट की मदद से दूरस्थ स्थानों जैसे पहाड़ी इलाकों, महासागरों और रेगिस्तानों तक मोबाइल सेवा पहुंच सकेगी और इन क्षेत्रों में 4जी-5जी नेटवर्क सुविधा पहुंचाना आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं आपदा की स्थिति में जब टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर तूफान, बाढ़, भूकंप, भूस्खलन या दूसरी प्राकृतिक आपदाओं में तबाह हो जाते हैं, तब भी सैटेलाइट नेटवर्क बेहतर रहता है।

दिल्ली-एनसीआर मेट्रो विस्तार को मोदी कैबिनेट में मिली मंजूरी, 3 साल में बनेंगे 13 नए स्टेशन

नई दिल्ली. एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में एक बार फिर कुछ अहम निर्णय लिए गए हैं. इसके तहत दिल्ली-एनसीआर को नए साल का तोहफा भी मिला है. दरअसल मोदी कैबिनेट ने नए साल में मेट्रो विस्तार के लिए 12015 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं. यही नहीं दिल्ली मेट्रो प्रोजेक्ट चरण भी शुरू किया जाएगा. इसके तहत 3 साल में 13 नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाने का लक्ष्य है.

16 किमी की नई लाइन बिछाई जाएगी- अश्विनी वैष्णव - केंद्रीय कैबिनेट फैसलों को लेकर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से जानकारी साझा की गई. उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के चरण 5ए को मंजूरी दे दी है, जिसमें 13 स्टेशन शामिल होंगे. इस पर 12,015 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिसको कैबिनेट में मंजूरी मिल गई है. यही नहीं इससे 16 किलोमीटर लंबी नई लाइन बिछाई जाएगी. इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो नेटवर्क 400 किलोमीटर का आंकड़ा पार कर जाएगा. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली मेट्रो से हर दिन 65 लाख लोग सफर करते हैं. मेट्रो विस्तार से इनके साथ-साथ अन्य लाखों लोगों को फायदा पहुंचेगा.

तीन नई लाइनें बिछाई जाएंगी - नई योजना के तहत मेट्रो के लिए तीन नई लाइनें बिछाई जाएंगी. इसमें एक लाइन रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ लाइन तक जाएगी. इसकी लंबाई की बात करें तो ये 9.9 किमी होगी. वहीं दूसरी लाइन एरोसिटी से एयरपोर्ट टर्मिनल-1 तक जाएगी. इसकी लंबाई 2.3 किलोमीटर होगी. वहीं तीसरी लाइन तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज के बीच चलाई बिछाई जाएगी. इसकी लंबाई करीब 3.9 किमी होगी।

महाराष्ट्र में 20 साल बाद साथ आए उद्धव और राज ठाकरे, मिलकर लड़ेंगे बीएमसी चुनाव

मुंबई एजेंसी।

महाराष्ट्र में 20 साल बाद शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे साथ आ गए हैं। उन्होंने बुधवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगले साल होने वाले बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनावों में साथ उतरने का फैसला किया है। हालांकि, अभी सीट की घोषणा नहीं की गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले ठाकरे भाईयों ने अपनी-अपनी पत्नियों और बेटों के साथ शिवाजी पार्क में बालासाहेब ठाकरे के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

तकनीक आधारित गवाही से सटीक न्याय सुनिश्चित कर रही मोदी सरकार

पीआईबी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज पंचकूला में हरियाणा पुलिस के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि विश्वास, दक्षता और टेक्नॉलजी से प्रशिक्षित युवा पुलिसकर्मियों पर अब हरियाणा और उससे सटी देश की राजधानी की रक्षा करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज 93वें बैच के 5161 जवानों में पहला मोर्चा महिलाओं ने संभाला है। श्री शाह ने कहा कि रक्षा की पहली पंक्ति में जब देश की युवा बेटियाँ

खड़ी होती हैं, तो देश की सुरक्षा का भरोसा कई गुना बढ़ जाता है। गृह मंत्री ने कहा कि यह प्रथम बैच है जिसमें 85 प्रतिशत युवा ग्रेजुएट या डबल ग्रेजुएट हैं, जो आज हरियाणा पुलिस से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रथम बैच है जिसकी औसत आयु सबसे कम, 26 वर्ष, है।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह वह कालखंड है जब अंग्रेजों के बनाए पुराने कानूनों को हटाकर नई न्याय संहिता, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, के माध्यम से देश की जनता को न्याय देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों की ट्रेनिंग और इसके तहत ड्यूटी संभालने वाला हरियाणा पुलिस का यह पहला बैच है। श्री शाह ने कहा कि 1966 में अंबाला में यह अकादमी शुरू हुई थी। तब से लेकर आज तक जितनी भी बैच निकले उन्होंने अंग्रेजों के बनाए कानूनों को पढ़ा और सीखा है। यह पहला बैच है, जिसे भारत की संसद द्वारा बनाए गए नए कानूनों को सीखकर जनता की सेवा के लिए जाना है। उन्होंने कहा कि 2023 में हरियाणा पुलिस को अपने सराहनीय कार्यों की अखंड यात्रा को निरंतर बनाए रखने के कारण राष्ट्रपति द्वारा प्रेसिडेंट्स कलर प्रदान किया गया था। आज प्रशिक्षु जवानों को उसी परंपरा को आगे बढ़ाना है।

असम में हिंसा भड़कने के बाद बड़ा एक्शन, प्रभावित इलाकों में तैनात की गई

एजेंसी। असम में हिंसा भड़कने के बाद बड़ा एक्शन लिया गया है। असम के हिंसा प्रभावित वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना तैनात की गई है। खुद DGP ने ये जानकारी दी है। ये जानकारी सामने आई थी कि असम के पहाड़ी जिलों कार्बी आंगलोंग और पश्चिम कार्बी आंगलोंग में 2 गुटों के बीच झड़प हुई, जिसके बाद यहां हिंसा भड़क गई। इस घटना में 2 लोगों की मौत हुई और करीब 45 लोग घायल हो गए। घायलों में 38 पुलिसकर्मी बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, तनाव फैलने का कारण बेदखली का मुद्दा था। मामले के सामने आने के बाद दोनों जिलों में इंटरनेट अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया।

माफियाओं के सामने नतमस्तक थी पुरानी सरकार : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी से आग्रह किया कि वह मुख्य मुद्दे से ध्यान न भटकाए। उन्होंने घटना से जुड़े हालातों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि काफिले को क्यों लूटा गया, और स्पष्ट जवाब और जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कोई माफिया जबरन रिहायशी जमीन या सरकारी जमीन पर कब्जा करके मॉल या जबरन

वसूली का अड्डा बनाता है और उसका इस्तेमाल अनैतिक और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए करता है, तो उनके खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी इसे रोक नहीं सकता क्योंकि हर व्यक्ति के लिए सुरक्षा का माहौल जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि आज हर व्यक्ति कह सकता है कि उत्तर प्रदेश में बेहतर सुरक्षा माहौल के कारण निवेश आ रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी से आग्रह किया कि वह मुख्य मुद्दे से ध्यान न भटकाए। उन्होंने घटना से जुड़े हालातों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि काफिले को क्यों लूटा गया, और स्पष्ट जवाब और जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक स्पष्ट नीति और उसे लागू करने की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में अराजकता का तांडव था, अब तेजी से काम हो रहा। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि पुरानी सरकार माफियाओं के सामने नतमस्तक थी।

विदेश , जानिए भारतीयों को कैसे होगा नुकसान

अमेरिका ने एच-1बी वीजा में लॉटरी प्रणाली को खत्म किया

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने प्रवासियों को बड़ा झटका देते हुए एच-1बी वीजा के चयन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने लंबे समय से चली आ रही लॉटरी प्रणाली को समाप्त कर दिया है, जिससे अब किसी भी आवेदक को वीजा मिल जाए, यह आसान नहीं होगा। विभाग चयन प्रक्रिया में बदलाव कर उच्च कौशल और अधिक वेतन वाले विदेशी श्रमिकों को वीजा के लिए प्राथमिकता देगा।

नया नियम, 27 फरवरी, 2026 से प्रभावी होगा, जिसका असर वित्तीय वर्ष 2027 के एच-1बी कैप पंजीकरण सत्र दिखेगा। नए नियम में वीजा आवंटन पूरी

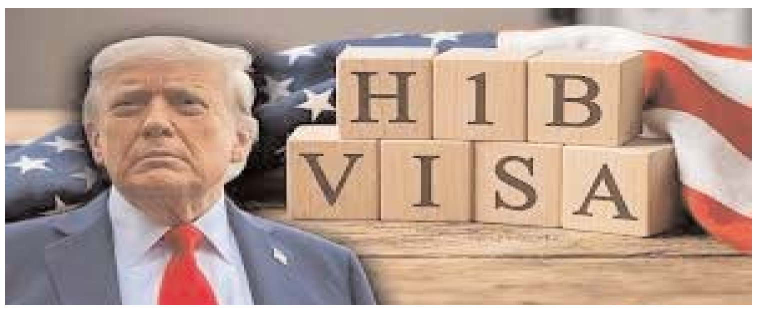

तरह रैंडम नहीं होगा, बल्कि उच्च वेतन और उन्नत कौशल की आवश्यकता वाले पदों के लिए विदेशी पेशेवरों को चुना जाएगा। आरोप है कि कुछ नियोक्ताओं ने कम कुशल और कम वेतन वाले आवेदनों से पंजीकरण प्रक्रिया को भर दिया, जिससे उच्च मूल्य वाले आवेदन बाहर हो गए, जिससे अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचा था।

एच-1बी वीजा को लेकर ट्रंप प्रशासन की यह पहली सख्ती नहीं है। इस साल ट्रंप ने एक घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें उच्च कुशल विदेशी श्रमिकों के लिए प्रत्येक एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर (85 लाख रुपये) का अतिरिक्त वार्षिक शुल्क लगाने का प्रावधान था। प्रशासन ने 10 लाख डॉलर का गोल्ड कार्ड वीजा भी जारी किया है, जिसे धनी व्यक्तियों के लिए अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने के मार्ग के रूप में पेश किया जा रहा है।

कड़े नियम के बावजूद, अमेरिका में एच-1बी वीजा की वार्षिक संख्या नहीं बढ़ेगी, ये 65,000 पर सीमित रहेगी। इसमें भी अमेरिकी संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त आवेदकों के लिए अतिरिक्त 20,000 वीजा आरक्षित होंगे। बता दें कि इस साल अमेजन को अन्य नियोक्ताओं की तुलना में सबसे अधिक एच-1बी वीज़ा स्वीकृतियां मिली थीं, जिनकी संख्या 10,000 से अधिक थी।

बांग्लादेश में हिंसा लगातारी जारी : पेट्रोल बम अटैक से व्यक्ति के उड़े चिथड़े

ग्लोबल टीवी बांग्लादेश को धमकी, प्रदर्शनकारियों ने कहा- पत्रकार नाजनीन को हटाओ वरना सबकुछ जला देंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के ढाका में निजी टेलीविजन चैनल ग्लोबल टीवी बांग्लादेश को जलाने की धमकी मिली है, जिसने पड़ोसी देश में मीडिया के हालात पर चिंता पैदा कर दी है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि ग्लोबल टीवी पत्रकार नाजनीन मुन्नी को नौकरी से निकाले या प्रोथोम आलो और डेली स्टार जैसा अंजाम भुगतने को तैयार रहे। बता दें कि पिछले दिनों प्रदर्शन के दौरान प्रमुख समाचार पत्रों प्रोथोम आलो और द डेली स्टार के कार्यालयों पर आगजनी की गई थी।

पत्रकार नाजनीन ने फेसबुक में लिखा, भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन की नगर इकाई के 7-8 लोग मेरे

कार्यालय आए और धमकी दी कि अगर मैंने अपनी नौकरी नहीं छोड़ी, तो वे प्रोथोम आलो और द डेली स्टार की तरह कार्यालय में आग लगा देंगे। हालांकि, संगठन के अध्यक्ष रिफत राशिद ने धमकी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि आरोपी सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि संगठन जुलाई में सत्ता विरोधी प्रदर्शन में शामिल था।

नाजनीन ने बताया कि जिस समय धमकी दी गई, उस समय वह कार्यालय में नहीं थीं। उन्होंने बताया कि कुछ युवकों ने टीवी के प्रबंध निदेशक (एमडी) से पूछा कि उन्होंने नाजनीन मुन्नी को क्यों रखा है? वह अवामी लीग की समर्थक हैं। उन्हें हटा दीजिए। युवकों ने एमडी से शिकायत की कि चैनल पर उस्मान हादी की मौत की खबर को पर्याप्त नहीं चलाया गया।

भारतीय आसमान में तीन नई एयरलाइंस की होगी एंट्री, शंख एयर, अल हिन्द एयर, फ्लाई एक्सप्रेस को मिली मंजूरी

एजेंसी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दो नई एयरलाइनों - अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस - को मंजूरी दे दी है, जो अगले साल उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। दोनों एयरलाइनों को बुधवार को मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त हो गया। इन दो एयरलाइनों के अलावा, उत्तर प्रदेश स्थित शंख एयर भी 2026 में उड़ान संचालन शुरू करने की संभावना है। शंख एयर को पहले ही अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल चुका है। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले एक सप्ताह में, भारतीय आसमान में उड़ान भरने की इच्छुक नई एयरलाइनों - शंख एयर, अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस - की टीमों से मिलकर मुझे खुशी हुई। शंख एयर को मंत्रालय से पहले ही एनओसी मिल चुकी है, जबकि अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस को इस सप्ताह अपनी एनओसी प्राप्त हुई हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब मंत्रालय देश में एयरलाइन ऑपरेटरों की संख्या बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते घरेलू नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है। वर्तमान में, इंडिगो और एयर इंडिया समूह (जिसमें एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइन शामिल हैं) मिलकर घरेलू नागरिक उड्डयन बाजार के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कब्जा रखते हैं।

CMYK CMYK

साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को सीएम साय ने दी श्रद्धांजलि, पार्थिव शरीर को दिया कंधा

पार्थिव शरीर को कंधा देकर उन्हें भावपूर्ण अंतिम विदाई दी

रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री साय बुधवार को शैलेन्द्र नगर स्थित वरिष्ठ साहित्यकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल के निवास पहुँचे और उनके अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर नमन किया तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय श्री शुक्ल के पार्थिव शरीर को कंधा देकर उन्हें भावपूर्ण अंतिम विदाई दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं तथा असंख्य पाठकों और साहित्य-प्रेमियों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी से उपजे महान साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल के निधन से हिंदी साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति पहुँची है। उनकी रचनाएँ संवेदनशीलता, मानवीय सरोकारों और सरल किंतु गहन अभिव्यक्ति की अनुपम मिसाल हैं।उन्होंने कहा कि शुक्ल की लेखनी ने हिंदी साहित्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की। उनका साहित्य न केवल पाठकों को गहराई से स्पर्श करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत बना रहेगा। साहित्य जगत में उनका अवदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह एक ऐसे सृजनशील व्यक्तित्व की अंतिम यात्रा थी, जिन्होंने साहित्य जगत को ऐसी अनमोल कृतियाँ दीं, जो साहित्य संसार की थाती है। साहित्यकार और कवि के विचार सदैव जीवित रहते हैं, उनकी कलम की स्याही, शब्दों में अमर हो जाती है। विनोदजी का साहित्य हमारी सांस्कृतिक चेतना को दिशा देता रहेगा, उनकी स्मृतियाँ सदैव हमारे बीच जीवंत रहेंगी।

श्री शुक्ल को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।इस अवसर पर कवि डॉ. कुमार विश्वास, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी अलोक सिंह, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार, जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी गण उपस्थित रहे।

विभिन्न संस्थानों को नोटिस देकर 11300 रूपये जुर्माना वसूला गया

रायपुर, रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर अभियान चलाकर नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता श्री सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता श्री नरेश साहू, उपअभियंता श्री अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में अभियान चलाकर नगर निगम जोन क्रमांक 3 क्षेत्र के अंतर्गत शासकीय सम्पति पर अपना अवैध प्रचार विज्ञापन चस्पा कर शासकीय सम्पति का विरुपण किये जाने पर सम्बंधित भिन्न 7 संस्थानों के सम्बंधित संचालकों से कुल 11300 रूपये का जुर्माना उन्हें नियमानुसार प्रकिया के अंतर्गत नोटिस जारी करते हुए भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए वसूलने की कार्यवाही की है।

जलविहार कॉलोनी में निरीक्षण कर सफ ाई में बाधक पाटे तोड़े गए

रायपुर, रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के निर्देशानुसार कार्यपालन अभियंता श्री सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता श्री नरेश साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पूरन कुमार ताण्डी, उप अभियंता श्री अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में जोन 3 क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 47 में जलविहार कॉलोनी में सफाई में बाधक पाटों को अभियान चलाकर तोड़ा गया और सफाई की बाधा को दूर किया गया. जोन 3 द्वारा वार्ड क्रमांक 47 क्षेत्र अंतर्गत 3 भवन स्वामियों पर सीएन्डडी वेस्ट मिलने पर कुल 20000 रूपये जुर्माना किया गया।

इरईकला में 27 से तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ लोक महोत्सव का भव्य आयोजन

राजनांदगांव जिले के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम इरईकला (अर्धनारीश्वर महादेव धाम) में आयोजक समिति एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में 27, 28 एवं 29 दिसंबर को छत्तीसगढ़ लोक महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर आयोजक समिति द्वारा अंतिम तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

लोक महोत्सव में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से प्रसिद्ध लोक कलाकार शामिल होंगे। तीन दिनों तक आदिवासी नृत्य, बांसगीत, भरथरी, पंडवाणी, रामायण, पंथी नृत्य, सुवा नृत्य, जस झांकी, हास्य-व्यंग्य, कवि सम्मेलन, फाग गीत, नाचा-गम्मत, राऊत नृत्य सहित विभिन्न पारंपरिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी, जिससे ग्रामीण अंचल में लोक संस्कृति की छटा बिखरेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, जिला प्रशासन, जनपद पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

27 दिसंबर की प्रस्तुतियाँ पुष्पांजलि महिला मानस परिवार (इरईकला), पारसमणि मानस परिवार (पुरानी बस्ती रायपुर), भरथरी चिन्हारी (राजनांदगांव), सुवा के बोली (रानीसागर गुल्लू आरंभ), सत्य के झंकार पंथी नृत्य (चीचा दुर्ग) एवं दाई के दुलार नवरत्न झांकी परिवार (पटपर डोंगरगढ़) द्वारा प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।

28 दिसंबर का कार्यक्रम नवशक्ति महिला जस सेवा भजन मंडली (इरईकला), सीताराम म्यूजिकल फाग परिवार (तुड़वाने), खिलेश यादव व दिनेश वर्मा की रामददरिया प्रस्तुति, पूजा मानस परिवार (चिपको, चित्रकोट महासमुंद), सुर-सुरभि मंडली पंडवाणी (छुरा, पूनम सिन्हा), जय बजरंग रामधनी मंडली (धामनसरा), कवि सम्मेलन तथा रंग बसंत रिकॉर्डिंग डांस ग्रुप एवं हास्य कमेटी भोलाराम व साथी (सुरगी) की प्रस्तुतियाँ होंगी।

गिग वर्कर्स, सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम मजदूरी और महिला श्रमिकों के अधिकारों पर विस्तृत चर्चा

चार नई श्रम संहिताओं के माध्यम से श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य वातावरण

मीडिया को श्रम सुधारों के प्रति जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

ईपीएफओ और ईएसआईसी योजनाओं सहित श्रम कानूनों के प्रावधानों पर विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

रायपुर, । केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई चार नई श्रम संहिताओं के अंतर्गत किए गए महत्वपूर्ण श्रम सुधारों के संबंध में मीडिया को जागरूक एवं संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आज रायपुर स्थित पीडब्ल्यूडी न्यू सर्किट हाउस में एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गिग वर्कर्स एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज, न्यूनतम मजदूरी को वैधानिक समर्थन, समान कार्य के लिए समान वेतन, महिला श्रमिकों के लिए सुरक्षित एवं समान कार्य वातावरण, कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों का सुदृढ़ीकरण तथा निश्चित अवधि के रोजगार (फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट) जैसे प्रमुख श्रम सुधारों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस वार्ता कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया प्रतिनिधियों को श्रम संहिताओं के प्रावधानों, उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव तथा श्रमिकों और उद्योगों को होने वाले लाभों की समुचित जानकारी प्रदान करना था, ताकि इन सुधारों का संदेश प्रभावी रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सके। कार्यशाला में श्रम विभाग के क्षेत्रीय श्रम आयुक्त अंकुर शर्मा, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के आयुक्त गौरव डोगरा तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) के उप निदेशक धीरेंद्र पटनायक प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पीआईबी के उप निदेशक ने श्रम सुधारों की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पुराने, जटिल और औपनिवेशिक काल से चले आ रहे 29 श्रम कानूनों को समाहित कर 4 सरल, आधुनिक और श्रमिक-केंद्रित श्रम संहिताओं के रूप में परिवर्तित किया है।

कांग्रेसजनों ने मनरेगा का बदलने के विरोध में आजाद चौक में दिया धरना

मनरेगा का नाम बदलने पर सियासत हुई तेज
गरीबों एवं श्रमिकों को न्याय दिलाएगा जी रामजी विधेयक

रायपुर,

केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदले जाने पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेसजनों ने इसे सामाजिक न्याय के विरूद्ध बताया। आजाद चौक ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना प्रदर्शन किया। वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि ग्रामीण भारत को जी रामजी योजना आत्म निर्भर और सशक्त बनाएगी।

कांग्रेस के कन्हैया अग्रवाल द्वारा मिली जानकारी के अनुसार आज कांग्रेस ने आजाद चौक में धरना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा योजना का नाम बदल दिया गया है, जो कि गरीबो के साथ अन्याय है। केन्द्र सरकार के साथ दिए जाने वाले अनुदान एवं अन्य कार्यों में कटौती की जा रही है, जिसमें गरीबों का अहीत होगा। केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया कि गरीब मजदूर विरोधी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने भी मनरेगा का नाम बदले का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस योजना से गरीबों का अहीत होगा।

सामाजिक न्याय का संकल्प साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि विकसित भारत जी रामजी विधेयक ग्रामीण, गरीबों, श्रमिकों और मेहनतकश मजदूर वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह कानून देश में सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और भरोसे का संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बायोमेट्रिक, प्रमाणिकरण, रियल टाइम निगरानी, एआई आधारित विश्लेषण और नागरिक सहकारिता जैसे प्रावधानों से अनियमितता पर रोक लगेगी।

साल 2026 को महतारी गौरव वर्ष घोषित

योजनाओं का केंद्रबिंदु रहेंगी महिलाएं

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा – मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए सरकार दृढ़संकल्पित

रायपुर,2छत्तीसगढ़ की साय सरकार को दो वर्ष पूरे हो चुके हैं. तीसरा वर्ष शुरू हो चुका है। आगामी वर्ष को छत्तीसगढ़ सरकार ने महतारी गौरव वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की है। सीएम साय ने कहा, प्रदेश में उन्हें सबसे ज्यादा आशीर्वाद मातृशक्ति से मिलता है। इस वजह से छत्तीसगढ़ सरकार ने आगामी वर्ष को महतारी गौरव वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, महतारी गौरव वर्ष के दौरान प्रदेश की सभी प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों का केंद्रबिंदु महिलाएं रहेंगी। यह वर्ष न केवल मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक होगा, बल्कि उनके सशक्तिकरण, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक गरिमा को नई ऊंचाई देने का संकल्प भी सिद्ध होगा।

सीएम साय का दूसरा वर्ष अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाया

सीएम साय ने बताया कि उनकी सेवा का दूसरा साल भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित करते हुए 'अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाया गया। इस दौरान प्रदेश के आधारभूत ढांचे, सामाजिक विकास और जनकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण काम किए गए। इन उपलब्धियों का विस्तृत 'रिपोर्ट कार्ड' जनता के सामने पेश किया गया।

साय सरकार का पहला वर्ष विश्वास वर्ष के रूप में मनाया

सीएम साय ने बताया कि मुख्यमंत्री के रूप में सेवा का पहला वर्ष विश्वास वर्ष के रूप में मनाया गया, जिसमें शासन और जनता के बीच विश्वास की पुनर्स्थापना का लक्ष्य सफ्लतापूर्वक हासिल हुआ। इस साल सरकार ने पारदर्शिता, संवेदनशीलता और संवाद के माध्यम से जनता का भरोसा जीता।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय गणित दिवस, श्रीनिवास रामानुजन की महान विरासत को सम्मानित किया गया

रायपुर,। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर ने 22 दिसंबर 2025 को महान गणितज्ञ डॉ. श्रीनिवास रामानुजन की 138वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया। यह कार्यक्रम संस्थान के गणित विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और नेशनल कौंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गणित के महत्व को बढ़ावा देना और छात्रों तथा प्रतिभागियों को गणितीय खोज और नवाचार के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक डॉ. एन. वी. रमना राव, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, तथा मुख्य अतिथि डॉ. सत्यनारायण वोलाला, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी नया रायपुर, रहे। कार्यक्रम के आयोजन अध्यक्ष गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुजीत कुमार समंता और आयोजन सचिव डॉ. शारदा नंदन राव, डॉ. नवीन कुमार मेहर एवं डॉ. रंजन कुमार दास थे। कार्यक्रम में संस्थान के अन्य फैकल्टी सदस्य, स्कूल के छात्र और गणित में रुचि रखने वाले प्रतिभागी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। डॉ. शारदा नंदन राव ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए श्रीनिवास रामानुजन के असाधारण योगदान को याद किया और बताया कि यह दिवस हमें उनकी गणितीय विरासत को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। डॉ. सुजीत कुमार समंता ने अपने संबोधन में कहा कि आज के तेजी से बदलते विश्व में गणितीय सोच विश्लेषण और नवाचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यक्रम की गतिविधियाँ छात्रों को कक्षा से बाहर गणित का अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी। डॉ. नवीन कुमार मेहर ने गणित को केवल एक विषय नहीं बल्कि समस्या-समाधान और नवाचार के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बताया।

कचना सड्डू लाभांडी में विकास योजना, आरडीए कोर्ट की शरण में

आम जनता व्यक्ति कब्जाधारी को संभावित प्रतिवादी बनाकर लगाया केवियेट

समाज के कमजोर एवं निम्न वर्ग के लिए बनाई जा रही आवासीय योजना

रायपुर, (संवाददाता)।

रायपुर विकास प्राधिकरण कचना सड्डू एवं लाभांडी में एक महत्वपूर्ण आवासीय योजना बना रहा है। इस संबंध में छग राजपत्र में अधिसूचना जारी कर दी गई है। आरडीए ने संभावित आम जनता संस्थान एवं कब्जाधारियों द्वारा कोर्ट की शरण में जाने के विरोध में अनावेदक को देखते हुए जिला न्यायाधीश न्यायालय में एक केवियेट दायर कर दिया है।

आरडीए द्वारा इस संबंध में एक सूचना जारी कर दी गई है जिसके अनुसार प्रधान जिला न्यायाधीश, द्वितीय न्यायधीश एवं तृतीय न्यायधीश की न्यायालय में अधीक्षण अभियंता एवं प्रभारी अधिकारी द्वारा संभावित प्रतिवादी अनावेदक के विरुद्ध एक केवियेट दायर किया गया है। आरडीए के अनुसार आम जनता व्यक्ति संस्थान समिति समुदाय किरायेदार कब्जाधरी अथवा प्रभावितों का समूह न्यायालय की शरण में जा सकता है इसलिए आरडीए ने न्यायालय में केवियेट धारा 1 48 क व्यवहार प्रक्रिया संहिता के तहत केवियेट दायर कर दिया गया है। जिसमें प्राधिकरण में निवेदन किया है कि संभावित प्रतिवादी रायपुर विकास प्राधिकरण के द्वारा नगर विकास योजना हेतु ग्राम कचना सड्डू लाभांडी के लिए छग नगर ग्राम निवेश 2020 के नियम 27 के अनुसार उत्काशय की घोषणा करते हुए उक्त अधिनियम 1970 की धारा 50 की उपधारा 2 के अधीन सूचना का निर्धारित प्रारूप में छग राजपत्र में 5-12-25 को किया जा चुका है। इस संबंध में सर्वसाधारण सूचना स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित कर दी गई है। प्रभारी अधिकारी द्वारा जारी सूचना के अनुसार रायपुर विकास प्राधिकरण की यह आशंका है कि उस युक्त योजना के प्रकाशन एवं कार्रवाई के विरुद्ध कथित व्यक्ति द्वारा, संस्थान समूह समुदाय, समिति अथवा संघ द्वारा केवियेट कर्ता की उक्त योजना के विरुद्ध वाद आवेदक के माध्यम से न्यायालय द्वारा प्रकरण प्रस्तुत किया जा सकता है। केवियेट सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है।

बिलासपुर के एक अधिवक्ता के द्वारा भी यह सामान्य सूचना के रूप में जारी किया गया है। केवियेट में न्यायालय से अनुरोध किया गया है यदि कोई बात या याचिका दायर की गई है तो आरडीए का पक्ष सूना जाना चाहिए। आरडीए के द्वारा कई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई जा रही है अब कचनासड्डू अथवा लाभांडी में भी यह योजना बनाई गई है जिसमें गरीब मध्यम एवं उच्च वर्ग के लिए बनाई गई है। ज्ञात रहे आरडीए समाज के कमजोर एवं निम्न वर्ग के लिए कई कल्याणकारी आवासयोजना बनाता है वर्तमान में रायपुर देवेंद्र नगर शैलेंद्रनगर तथा आदर्शबाजार एवं कमल बिहार जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

देह व्यापार के मामले में ढाई साल से फरार स्पॉ सेंटर का संचालक गिरफ्तार

रायपुर, राजधानी रायपुर की सिविल लाईन थाना पुलिस ने देह व्यापार के एक मामले में पिछले ढाई वर्षो से फरार आरोपी द माइंड वेलनेस स्पॉ सेंटर का संचालक पिंटू जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि थाना सिविल लाईन के अपराध क्रमांक 311/23 धारा 4, 5, 7 पीटा एक्ट एवं 370 भादवि. एवं के प्रकरण में दिनांक 24.06.2023 को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना सिविल लाईन एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा सिविल लाईन क्षेत्रांतर्गत शंकर नगर स्थित द माइंड वेलनेस स्पॉ सेंटर में रेड कार्यवाही कर स्पॉ की मैनेजर आशियाना यादव (थर्ड जेंडर) एवं सहायक मैनेजर राकेश महानंद को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना से संबंधित 02 नग मोबाईल फोन जप्त किया गया था।

द माइंड वेलनेस स्पॉ सेंटर का संचालक पिंटू जायसवाल घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन रायपुर द्वारा वर्षो से लंबित प्रकरण के निकाल के दौरान थाना प्रभारी सिविल लाईन को प्रकरण में फरार आरोपी को गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया। जिस पर नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन रमाकांत साहू के पर्यवेक्षण में फरार आरोपी पिन्टू जायसवाल उर्फ गजेन्द्र जायसवाल की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। आरोपी की पतासाजी के संबंध में तकनीकी विश्लेषण करने के साथ ही उसके गृह ग्राम जिला मुंगेली में भी उसकी तस्दीक कर पतासाजी की जा रहीं थी। थाना सिविल लाईन एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की संयुक्त टीम द्वारा आरोपी के छिपने के हर संभावित ठिकानों में लगातार रेड कार्यवाही कर अंततः आरोपी पिन्टू जायसवाल उर्फ गजेन्द्र जायसवाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपी लगभग ढाई वर्षो से फरार चल रहा था। आरोपी को गिरफ्तार करने में मुंगेली पुलिस का भी योगदान रहा।

अवैध धर्मांतरण के विरोध में छत्तीसगढ़ बंद का असर

संवाददाता

छत्तीसगढ़ में अवैध धर्मांतरण और कांकेर जिले के आंबेड़ा में हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं के विरोध में 24 दिसंबर 2025 को सर्व समाज द्वारा बंद का आह्वान किया गया था. इस बंद का असर राजधानी रायपुर में देखने को मिला. शहर के सभी प्रमुख बाजार सुबह से ही बंद रहे.

बंद के दौरान सर्व समाज के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे. इस दौरान कुछ स्थानों पर अवैधानिक गतिविधियां भी सामने आईं. रायपुर स्थित मैग्नेटो मॉल में क्रिसमस की तैयारी के लिए की गई सजावट के खिलाफ प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया और तोड़फोड़ की. सजावटी सामान फेंक दिया गया और मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के साथ विवाद की स्थिति बन गई.

रायपुर बस अड्डे पर हंगामा

रायपुर के अंतरराज्यीय बस अड्डे पर भी प्रदर्शनकारियों ने हंगामा किया. यहां एक बस में तोड़फोड़ की गई. हालांकि इस मामले में अब तक पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है. अन्य बाजार क्षेत्रों में स्थिति अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रही. व्यापारियों के समर्थन के चलते अधिकांश दुकानें बंद रहीं. हालांकि कुछ छोटे व्यापारी और चौपाटी लगाने वाले व्यवसायी बंद के कारण हुए आर्थिक नुकसान को लेकर असंतोष जताते नजर आए.

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स का भी समर्थन - गौरतलब है कि इस बंद को छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स का भी समर्थन मिला था, जिसका असर प्रदेशभर के बाजारों में देखा गया. राजधानी रायपुर में व्यापारियों ने स्वतः ही दुकानें बंद रखीं। बता दें कि कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में धर्म परिवर्तन कर चुके एक सरपंच की मौत के बाद अंतिम संस्कार को लेकर विवाद खड़ा हो गया था. आदिवासी समूह और ईसाई समुदाय के बीच हुए इस विवाद के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया. इस दौरान कुछ हिंसक घटनाएं भी हुईं, जिनमें चर्च और ईसाई समाज से जुड़े लोगों के घरों में आगजनी की घटनाएं शामिल हैं.

हरदी एनीकट के गेटों को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई

रायपुर, विभागीय निर्देशानुसार वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद एनीकट एवं स्टापडेम के गेटों को बंद किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इसी क्रम में 13 नवंबर 2025 को हरदी एनीकट के सभी गेट बंद कर दिए गए थे, जिससे एनीकट में पर्याप्त जल भराव हो गया था। यह जानकारी जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि इस बीच असामाजिक तत्वों द्वारा रात्रि के समय एनीकट के गेटों को क्षतिग्रस्त कर खोल दिए जाने की सूचना प्राप्त हुई, जिससे जल स्तर कम होने की स्थिति बनी। सूचना मिलते ही अनुविभागीय अधिकारी, जल प्रबंध उपसंभाग क्रमांक-4, रायपुर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जल की बर्बादी को रोकने के लिए पुनः एनीकट के जल द्वार बंद करवाए। साथ ही इस घटना की जानकारी थाना आरंग पुलिस को दी गई, ताकि दोषी असामाजिक तत्वों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके और भविष्य में एनीकट की सुरक्षा एवं जल भराव प्रभावित न हो। जल द्वार बंद किए जाने के पश्चात् वर्तमान में दिनांक 22 दिसंबर 2025 की स्थिति में एनीकट की कुल 8 फीट ऊंचाई में से लगभग 5 फीट तक जल भराव उपलब्ध है।

स्वदेशी आत्मसम्मान और पुनर्जागरण का अभियान : अरुण साव

वोकल फॉर लोकल से भारत आत्मनिर्भर की ओर अग्रसर

-स्वदेशी मेला में उप मुख्यमंत्री अरुण साव हुए शामिल

रायपुर, संवाददाता

उप मुख्यमंत्री अरुण साव रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित स्वदेशी मेला में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के साथ शामिल हुए। श्री साव ने इस अवसर पर स्वदेशी अपनाकर आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ और सशक्त भारत के निर्माण के लिए लोगों को संकल्पित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि स्वदेशी कोई नया विचार नहीं है, यह आत्मसम्मान और पुनर्जागरण का अभियान है। अंग्रेजी शासन के दौरान हमारे मन में हीन भावना भर दी गई थी। स्वदेशी आंदोलन उसी भावना को समाप्त करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब हम छोटी-छोटी चीजें भी नहीं बना पाते थे, लेकिन इससे पहले भारत की क्षमता हमेशा विश्व को दिशा देने वाली रही है।

श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वोकल फॉर लोकल अभियान से भारत की ताकत को दुनिया ने पहचाना है। आज देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि देश में निर्मित वस्तुओं की ही खरीद करें, क्योंकि विदेशी वस्तुओं से देश को कोई लाभ नहीं होता। उन्होंने कहा कि पूरा देश स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को लेकर एकजुट होकर काम कर रहा है, जिसकी झलक इस स्वदेशी मेले में दिखाई दे रही है। इस अवसर पर स्वदेशी गीत का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू जी, बीज निगम अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर जी, श्री अमर बंसल जी, अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष शिव अमरजीत सिंह जी, श्री सुब्रत चाकी जी, स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, व्यापारीगण, युवा साथी, लोक कलाकार एवं नागरिक गण उपस्थित रहे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित क्षमता निर्माण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला 23 दिसंबर को रायपुर में

रायपुर, सुशासन और प्रशासनिक दक्षता को नई तकनीकी दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत क्षमता विकास आयोग, भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल्स के उपयोग से क्षमता निर्माण विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 23 दिसंबर 2025 को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी), रायपुर में किया जा रहा है। कार्यशाला का शुभारंभ प्रातः 10 बजे होगा। क्षमता विकास आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस कार्यशाला में राज्य शासन के प्रमुख विभागों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, कृषि, स्वास्थ्य, गृह तथा परिवहन विभाग शामिल हैं।

तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत 29 इंजीनियरिंग तथा 53 पॉलिटेक्निक एवं 101 फार्मेसी संस्थाए संचालित

रायपुर(संवाददाता)।

प्रदेश में तकनीकी शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा के समुचित विकास और समन्वय स्थापित करने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग सदैव प्रयासरत है। वर्तमान में तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत 29 इंजीनियरिंग महाविद्यालय तथा 53 पॉलिटेक्निक संस्थाए एवं 101 फार्मेसी संस्थाए संचालित है। जिनमे इंजीनियरिंग संस्थानों में स्नातक स्तर के 30 पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर स्तर पर 36 तथा पॉलिटेक्निक संस्थाओं में डिप्लोमा स्तर के 21 त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम संचालित है। जिसमे लगभग 60 हजार छात्र-छात्राए अध्ययनरत है ।

विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।सत्र 2025-26 से आई. आई.टी. के तर्ज पर शासकीय पॉलिटेक्निक संस्थाओ एवं शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय को

उन्नयन करते हुए इमर्जिंग ब्रांच (रोबोटिक्स, इन्टरनेट ऑफथिंग्स इत्यादी) के साथ 04 छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की स्थापना की गई है एवं जल्द ही रायपुर बिलासपुर तथा दुर्ग में छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी की स्थापना की जावेगी।

छत्तीसगढ़ के युवाओं के बीच नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य में i-Hub बनाने हेतु छत्तीसगढ़ शासन, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग एवं i-Hub गुजरात के साथ रूब्ध का निष्पादन किया गया एवं शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय रायपुर में i-Hub की स्थापना की गई। जिसमें प्रदेश के छात्र/छात्राओं को Startup एवं Innovation संबंधी मार्गदर्शन प्रदाय किया जा रहा है।तकनीकी शिक्षा संस्थाओंके छात्र/छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु Apanatech. pvt.Ltd. के साथ विभाग द्वारा रूब्ध हस्ताक्षर किया गया है तथा छात्र/छात्राओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने हेतु CSRBOX.pvt.ltd के साथ विभाग द्वारा MoU इस्ताक्षर किया गया है तथा छात्र/छात्राओं को आत्मनिर्भर किये जाने हेतु उनके द्वारा किये जाने वाले Startup एवं Innovation के प्रोजेक्ट को उद्योग में उपयोग किये जाने हेतु CII एवं YI समूह से विभाग द्वारा द्वारा MoU हस्ताक्षर किया गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित क्षमता निर्माण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

रायपुर, सुशासन और प्रशासनिक दक्षता को नई तकनीकी दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत क्षमता विकास आयोग, भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल्स के उपयोग से क्षमता निर्माण विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 23 दिसंबर 2025 को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफइन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी), रायपुर में किया जा रहा है। कार्यशाला का शुभारंभ प्रातः 10 बजे होगा। क्षमता विकास आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस कार्यशाला में राज्य शासन के प्रमुख विभागों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, कृषि, स्वास्थ्य, गृह तथा परिवहन विभाग शामिल हैं। सभी संबंधित विभागों से आग्रह किया गया है कि वे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत नामित नोडल अधिकारी के साथ-साथ विभाग से एक तकनीकी अधिकारी को कार्यशाला में भाग लेने हेतु नामित करें, जिससे कार्यशाला के उद्देश्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

रायपुर जिले में ईसीसीई वार्षिक मेले का आयोजन, खेल-खेल में बच्चों की सीख को मिला बढ़ावा

आंगनबाड़ी केंद्रों में रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

रायपुर संवाददाता

/ रायपुर जिले में दिनांक आज को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ईसीसीई वार्षिक मेले का सफल आयोजन किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता तथा सीखने की प्रक्रिया को खेल-खेल में प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर द्वारा मन्दिर हसौद परियोजना के भानसोज, सुन्डी, नारा, सिवनी एवं गोढी स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित मेले का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव एवं संचालक महोदया द्वारा अभनपुर परियोजना के निमोरा केंद्र में आयोजित मेले का निरीक्षण किया गया। मेले में शैक्षणिक खेल, रचनात्मक गतिविधियाँ, चित्रकला, कहानी-कथन, बाल गीत, नृत्य एवं सीखने से संबंधित विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जिनका बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजरों एवं परियोजना अधिकारियों ने ईसीसीई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पोषण बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को बच्चों की प्रतिभा निखारने में सहायक बताया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की गई तथा भविष्य में भी इस तरह के रचनात्मक एवं शिक्षाप्रद आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की बात कही गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राज्यपाल ने क्रिसमस पर्व पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर, राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिवस क्रिसमस के अवसर पर प्रदेश के सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में राज्यपाल ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह का संपूर्ण जीवन मानवता के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने प्रेम, करुणा, क्षमा और समानता जैसे मूल्यों को समाज के केंद्र में रखा। प्रभु यीशु ने मानव सेवा को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाया और गरीबों, वंचितों तथा जरूरतमंदों की सेवा का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाएं आज भी समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करती हैं। उनके विचार सदैव मानव कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते रहेंगे।

राज्यपाल ने क्रिसमस पर्व पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर, राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिवस क्रिसमस के अवसर पर प्रदेश के सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में राज्यपाल ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह का संपूर्ण जीवन मानवता के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने प्रेम, करुणा, क्षमा और समानता जैसे मूल्यों को समाज के केंद्र में रखा। प्रभु यीशु ने मानव सेवा को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाया और गरीबों, वंचितों तथा जरूरतमंदों की सेवा का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाएं आज भी समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करती हैं। उनके विचार सदैव मानव कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते रहेंगे।

संपादकीय

बंग्लादेश में कट्टरपंथ पर कार्रवाई आवश्यक

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों ने भारत के राजनीतिक और संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं को एक साझा स्वर में बोलने के लिए मजबूर कर दिया है. हालिया हिंसक घटनाओं, विशेषकर एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या के बाद मानवाधिकार, अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी और ऐतिहासिक फैसलों को लेकर बहस तेज हो गई है. बांग्लादेश में हिंदू समाज अल्पसंख्यक है और वहां लंबे समय से इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं. बांग्लादेश का मौजूदा राजनीतिक माहौल पूरी तरह अस्त-व्यस्त है और इसी अस्थिरता का फ ायदा कट्टरपंथी ताकतें उठा रही हैं. भारत सरकार इस मामले में संज्ञान ले चुकी है और यह भारत का संकल्प है कि दुनिया में कहीं भी हिंदू और अन्य समुदाय सुरक्षित रहें।

उनका ना होना भी सदियों तक होना

घर के बाहर
एक पुरानी कुर्सी रखी
उस पर बैठी चुप्पी
आज कुछ ज़्यादा देर तक बैठी रही।
रास्ता वही ,
पर आज पाँव
थोड़ा धीरे चलते ,
जैसे किसी के न होने का ख़्याल
चलने से पहले पहुँच गया हो।
खिड़की से आती हवा
अब भी वैसी ही
पर शब्द
उसके पीछे छूट गए
बहुत साधारण, बहुत ज़रूरी।
उन्होंने कहा नहीं,
बस रहने दिया चीज़ों को
जैसे वे
और हमें सिखा दिया
कि यही सबसे गहरी बात ।
आज कविता
कोई शोर नहीं करती,
बस पास आकर बैठ जाती
जैसे आप बैठते थे।

– संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा
लिखित पुस्तकें पढ़िये
ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra- Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

अरावली की चिन्ता : नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पड़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से ÷100 मीटर ऊंचाई÷ जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि ÷नियंत्रित÷ शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज़ शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

यह निजी विचार है।

राष्ट्रवाद का पुनर्जागरण, सत्ता, भीड़ और लोकतंत्र के बीच राष्ट्रीयता

वर्तमान समय में राष्ट्रवाद अपने सबसे जटिल, विरोधाभासी और बहुअर्थी दौर से गुजर रहा है, यह वह राष्ट्रवाद नहीं रह गया है जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान त्याग, नैतिक साहस, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक समरसता का प्रतीक था, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रवाद बनता जा रहा है जिसे बार-बार सत्ता की भाषा में परिभाषित किया जा रहा है, आज राष्ट्र सरकार का पर्याय बनने की ओर अग्रसर है और सरकार की आलोचना को राष्ट्रविरोध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, यही वह बिंदु है

जहाँ राष्ट्रवाद अपनी आत्मा खोने लगता है और लोकतंत्र अपने आधार, आज जब चुनावी सभाओं, टीवी स्टूडियो और सोशल मीडिया मंचों पर राष्ट्रवाद को धर्म, जाति, सैन्य शक्ति और भावनात्मक उन्माद के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, तब यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या राष्ट्र प्रेम का अर्थ केवल सत्ता के समर्थन तक सीमित रह गया है, हाल के वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि आतंकी घटनाओं, सीमा विवादों, सैन्य अभियानों और ऐतिहासिक स्मृतियों का चयनित उपयोग कर भावनात्मक ध्रुवीकरण को तेज किया गया है, असहमति को राष्ट्रद्रोह, प्रश्न को साजिश और आलोचना को देश के खिलाफखड़े होने का प्रमाण बताया गया है, यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकतंत्रों के भीतर उभरते अति राष्ट्रवाद का साझा संकट है, अमेरिका में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास, रूस में सत्ता केंद्रित राष्ट्रवाद, चीन में सर्वव्यापी राज्य और एशिया व अफ्रीका में सैन्य प्रभुत्व की राजनीति यह संकेत देती है कि राष्ट्रवाद अब नागरिकों को सशक्त करने के बजाय उन्हें नियंत्रित करने का माध्यम बनता जा रहा है, भारत जैसे विविधता से भरे समाज में यह परिवर्तन और भी खतरनाक है क्योंकि यहाँ राष्ट्र का अर्थ बहुलता, सहअस्तित्व और संवैधानिक संतुलन से जुड़ा रहा है, किंतु वर्तमान राजनीतिक विमर्श में बहुलता को कमजोरी और असहमति को बाधा के रूप में चित्रित किया जा रहा है, सत्ता की निरंतरता के लिए जातिगत समीकरणों का सूक्ष्म लेकिन आक्रामक उपयोग, धार्मिक पहचान का राजनीतिकरण और लोकलुभावन योजनाओं की होड़ लोकतंत्र को तात्कालिक लाभ की राजनीति में कैद कर रही है, मुफ्त उपहार, नकद हस्तांतरण और प्रतीकात्मक घोषणाएँ जनता को क्षणिक संतोष तो देती हैं लेकिन दीर्घकालिक आर्थिक अनुशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्थागत सुधार जैसे मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल देती हैं, लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन को कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति माना जाता है, किंतु आज सत्ता को स्थायित्व और राष्ट्रहित को सत्ता की निरंतरता से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है, इससे अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को वैधता मिलने लगती है, हाल के वर्षों में दलबदल की बढ़ती घटनाएँ, विचारधारा से अधिक सत्ता की प्राथमिकता और राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का क्षरण यह दर्शाता है कि राजनीति सिद्धांत से नहीं बल्कि अवसर से संचालित हो रही है, जातिवादी मतदान और पहचान आधारित ध्रुवीकरण के कारण खाप पंचायतों जैसी समानांतर सत्ता संरचनाएँ पुनः सामाजिक स्वीकृति पाने लगी हैं, जो संवैधानिक लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है, धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के संवैधानिक आदर्शों के बावजूद धार्मिक आस्थाओं के नाम पर नीतिगत हस्तक्षेप और व्यक्तिगत जीवनशैली पर नियंत्रण यह प्रश्न उठाता है कि राष्ट्रवाद कहीं नागरिक स्वतंत्रताओं का शत्रु तो नहीं बनता जा रहा, पशु व्यापार, भोजन की पसंद और सांस्कृतिक व्यवहार जैसे विषय जब राज्य के नियंत्रण का विषय बनते हैं तब लोकतंत्र का स्वरूप धीरे-धीरे नैतिक निगरानी में बदलने लगता है, अति राष्ट्रवाद क ा सबसे खतरनाक पक्ष यह है कि वह भय पैदा करता है, भय बाहरी शत्रु का, भय आंतरिक दुश्मन का और भय असहमति का, और भय जब राजनीति का आधार बनता है तब लोकतंत्र केवल चुनावी औपचारिकता बनकर रह जाता है, इतिहास साक्षी है कि बीसवीं सदी में जर्मनी, इटली और स्पेन में इसी भय आधारित राष्ट्रवाद ने फासीवाद को जन्म दिया, एशिया में पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया में सुरक्षा और राष्ट्ररक्षा के नाम पर सैन्य प्रभुत्व लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करता रहा है, भारत में भी यदि राष्ट्रवाद को केवल सैन्य शक्ति, बहुमत की भावना और नेता-केंद्रित आस्था से जोड़ा गया तो यह संविधान द्वारा प्रदत्त संतुलन को कमजोर करेगा, लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, संस्थाओं की स्वायत्तता और कानून के समक्ष समानता का नाम है, किंतु वर्तमान विमर्श में बहुमत को अंतिम सत्य और संख्या को नैतिक वैधता के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, मीडिया के एक बड़े हिस्से द्वारा सत्ता समर्थक राष्ट्रवादी नैरेटिव का प्रसार, सोशल मीडिया पर ट्रोल संस्कृति और चयनित सूचना का उग्र प्रसार लोकतांत्रिक संवाद को संकीर्ण और आक्रामक बना रहा है, ऐसे समय में सिविल सोसाइटी, लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद और न्यायिक संस्थाओं की भूमिका निर्णायक हो जाती है, यदि यह वर्ग चुप रहता है तो लोकतंत्र धीरे-धीरे आत्मसमर्पण कर देगा, राष्ट्रवाद का पुनर्पाठ आवश्यक है जहाँ राष्ट्र सरकार से बड़ा हो, संविधान सत्ता से ऊपर हो और नागरिक की गरिमा सर्वोपरि मानी जाए, राष्ट्र प्रेम का अर्थ प्रश्न करना, जवाबदेही माँगना और संस्थाओं को मजबूत करना भी होना चाहिए, न कि केवल नारे लगाना और भीड़ का हिस्सा बन जाना, तात्कालिक लोकप्रियता, भावनात्मक ध्रुवीकरण और सत्ता लोलुपता के स्थान पर दीर्घकालिक नीतिगत दूरदर्शिता, सामाजिक संतुलन और संवैधानिक नैतिकता को केंद्र में लाना ही लोकतंत्र को बचा सकता है, अन्यथा राष्ट्रवाद का यह बदला हुआ रूप राष्ट्र को जोड़ने के बजाय उसे भीतर से खोखला करता चला जाएगा और इतिहास एक बार फिर हमें चेतावनी देगा कि लोकतंत्र का पतन अचानक नहीं बल्कि तालियों, नारों और मौन के बीच धीरे-धीरे होता है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार
यह निजी विचार है।

सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश में असमानता

अजीत द्विवेदी

यह निष्कर्ष पुराना है कि भारत एक गहरी आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक असमानता वाला देश है। सामाजिक असमानता में जातीय, धार्मिक और लैंगिक असमानता सब शामिल है। यह निष्कर्ष हर साल आने वाली इनइक्वलिटी लैब की रिपोर्ट से प्रमाणित होता है। इस साल की फ्रांस की इनइक्वलिटी लैब की रिपोर्ट बुधवार, 10 दिसंबर को प्रकाशित हुई। पिछले साल के मुकाबले इस रिपोर्ट में ज्यादा कुछ नहीं बदला है। भारत की एक फीसदी आबादी के पास देश की 40 फीसदी संपत्ति है। अगर इसका दायरा थोड़ा बड़ा करें तो दिखेगा कि शीर्ष 10 फीसदी आबादी के पास कुल संपत्ति का 65 फीसदी हिस्सा है। इनकी तुलना में सबसे नीचे के 50 फीसदी लोगों को देखें तो उनके पास सिर्फ 6.4 फीसदी दौलत है। इसका मतलब है कि बीच के 40 फीसदी यानी मध्य वर्ग के पास 30 फीसदी से कुछ कम संपत्ति है। दुनिया के स्तर पर यह असमानता थोड़ी ज्यादा दिखती है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के सिर्फ 60 हजार लोगों यानी कुल आबादी के 0.001 फीसदी के पास इतनी संपत्ति है, जितनी नीचे की 50 फीसदी आबादी के पास नहीं है। दुनिया की आधी आबादी यानी करीब चार सौ करोड़ लोगों से ज्यादा संपत्ति सिर्फ 60 हजार लोगों के पास है।

असमानता की ताजा रिपोर्ट से यह मिथक भी टूटा है कि मौजूदा सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश में असमानता बढ़ रही है। असल में भारत में पहले जो आर्थिक असमानता थी इस सरकार ने उसी को मेंटेन किया है। देश के सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों और सबसे गरीब 50 फीसदी लोगों की आय के बीच 2014 में 38 फीसदी का अंतर था, जो 2024 में 38.2 फीसदी हुआ है। यानी दोनों की आय की असमानता लगभग उतनी ही है, जितनी 10 साल पहले थी। इसका अर्थ है कि भारत की आर्थिक नीतियों की निरंतरता कायम है। जिन नीतियों ने असमानता को बढ़ाया उन्हें जारी रखा गया है। अगर स्थायी संपत्ति की बात छोड़ें तो देश में हर साल जो आय उत्पादित हो रही है उसका 58 फीसदी हिस्सा ऊपर की 10 फीसदी आबादी के पास जा रहा है और नीचे की 50 फीसदी आबादी के पास आय का सिर्फ 15 फीसदी हिस्सा जा रहा है। यानी जिन लोगों के पास 65 फीसदी संपत्ति है उनके पास कुल आय का 58 फीसदी जा रहा है और जिनकी कुल संपत्ति 6.4 फीसदी है उनके पास कुल आय का 15 फीसदी जा रहा है।

अगर रुपए के हिसाब से देखें तो भारत में नीचे की 50 फीसदी आबादी की प्रति व्यक्ति सालाना आय एक लाख रुपए से कम है। यानी 70 करोड़ की आबादी की प्रति व्यक्ति मासिक आय आठ हजार रुपए के करीब है। इनके मुकाबले एक फीसदी आबादी यानी एक करोड़ 40 लाख टॉप लोगों की औसत सालाना आय डेढ़ करोड़ रुपए के करीब है। इस वर्ग के लोग औसतन हर महीना 12 लाख रुपए से ज्यादा कमाते हैं। सोचें, आठ हजार रुपए और 12 लाख रुपए महीना के फर्क पर! अगर टॉप 10 फीसदी की आय देखें तो उनकी औसत सालाना आय 40 लाख रुपए के करीब है। उसके बाद मध्य वर्ग के 40 फीसदी लोग आते हैं, जिनकी औसत सालाना आय साढ़े चार लाख रुपए के करीब है यानी 40 हजार रुपया महीना से कम।

इस असमानता को अगर जाति, धर्म, लिंग और क्षेत्र के हिसाब से देखेंगे तो और भयावह तस्वीर सामने आएगी। देश के सबसे पिछड़े राज्य बिहार में तो एक करोड़ परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक आमदनी छह हजार रुपए है। यह बिहार सरकार की ओर से कराई गई जाति गणना में पता चला। इसका मतलब है कि करीब पांच करोड़ लोग ऐसे हैं, जो महीने का 12 सौ रुपया कमाते हैं। भारत में अपनाई गई आर्थिक नीतियों को देखते हुए कह सकते हैं कि निकट भविष्य में इस स्थिति में सुधार की कोई संभावना नहीं दिख रही है। भारत लंबे समय से ट्रिकल डाउन थ्योरी पर चल रहा है। इसका अर्थ है कि ऊपर वालों का घड़ा भर जाएगा तो उसमें रिस कर नीचे गिरना शुरू होगा, जिससे बाकी लोगों का भला होगा। लेकिन मुश्किल यह है कि ऊपर वाले लगातार अपने घड़े का आकार बढ़ाते जा रहे हैं। उनका घड़ा भरने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। तभी भारत की बड़ी आबादी सरकार प्रायोजित सर्वाइवल स्कीम्स पर पल रही है।

इस रिपोर्ट में एक खास बात यह है कि आजादी के बाद एक समय ऐसा आया था, जब टॉप 10 फीसदी और बॉटम 50 फीसदी के बीच का अंतर काफी कम हो गया था। वह अच्छा था या बुरा यह अलग विश्लेषण का विषय है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि आजादी के बाद जो मिश्रित अर्थव्यवस्था वाली नीति अपनाई गई थी उसने निजी तौर पर लोगों के बेहिसाब दौलत इकट्ठा करने या बेहिसाब कमाई करने पर रोक लगाई थी।

यह निजी विचार है।

एक्सिस बैंक का 'इवॉल्व' का 10वां संस्करण आयोजित, भारत की 10 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में एमएसएमई को मिलेगी मजबूती

इवॉल्व, एक्सिस बैंक की एमएसएमई के लिए प्रमुख नॉलेज शेयरिंग पहल है, जो उद्यमियों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए जरूरी जानकारी, संपर्क और उपकरण प्रदान करता है।

यह उद्देश्य छत्तीसगढ़ में खास तौर पर महत्वपूर्ण है, जहां एमएसएमई राज्य के औद्योगिक उत्पादन में 45त्न का योगदान देते हैं और 34.9 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देते हैं।

रायपुर, राज्य का सबसे बड़ा एमएसएमई केंद्र है, जहां स्टील, पावर, सीमेंट, लॉजिस्टिक्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योग खनन आधारित गतिविधियों से जुड़े हैं।

संवाददाता

रायपुर, भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में एमएसएमई के लिए अपनी मल्टी-सिटी नॉलेज सीरिज 'इवॉल्व' का 10वां संस्करण आयोजित किया। इस कार्यक्रम में उद्यमियों, उद्योग जगत के लीडर्स और नीति विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया, ताकि भारत के एमएसएमई परिदृश्य को आकार देने वाले अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की जा सके। कार्यक्रम का विषय था - '.10 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान करते एमएसएमई'। 120 से अधिक एमएसएमई उद्यमियों की उपस्थिति के साथ, यह सत्र भारत के विकास के अगले चरण को परिभाषित करने वाले विकास के मार्गों और चुनौतियों पर चर्चा के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता रहा। इस कार्यक्रम में एमएसएमई इकोसिस्टम और आर्थिक परिदृश्य पर प्रस्तुतियां शामिल थीं. इसमें एक्सिस बैंक - ईस्ट 2, क्षेत्रीय शाखा बैंकिंग प्रमुख के श्री सौरभ दत्ता, एक्सिस बैंक-एसईजी एसेट, कमर्शियल बैंकिंग समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री रतुल मुखोपाध्याय और एक्सिस बैंक-ट्रेज़री एवं मार्केट्स सेल्स की वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुश्री पूजा गुप्ता ने एमएसएमई इकोसिस्टम पर अपने विचार व्यक्त किये। इसके बाद एक रोचक 'फायरसाइड चैट' आयोजित किया गया, जिसका संचालन एक्सिस बैंक-मिड कॉरपोरेट्स एवं मीडियम एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रेसिडेंट एवं प्रमुख श्री प्रशांत टी.एस. ने किया। इस संवाद सत्र में संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं कार्यकारी निदेशक श्री सुरेश गोयल, पिलानिया इंडस्ट्रीज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटर एवं निदेशक श्री अंकित अग्रवाल और सी टचस्टोन टेलीसर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री रोहित पारख अतिथि वक्ता के रूप में शामिल थे। इन सभी ने अपनी प्रेरणादायक यात्राओं से प्राप्त अनुभव और महत्वपूर्ण सीख साझा की।

इवॉल्व के जरिए एक्सिस बैंक एमएसएमई को नकदी प्रबंधन, ऋण सही तरीके से इस्तेमाल करने और डिजिटल बैंकिंग अपनाने में मदद करता है। यह पहल सामान्य बैंकिंग से आगे बढ़कर लोन, भुगतान, ट्रेड फाइनेंस और कलेक्शन जैसे क्षेत्रों में विशेष समाधान देती है, जो खासकर छत्तीसगढ़ के मैन्युफैक्चरिंग और व्यापारिक व्यवसायों के लिए उपयोगी हैं। डिजिटल इवॉल्व की शुरुआत इस प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करती है, क्योंकि यह एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एमएसएमई को विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करता है। एक्सिस बैंक के कमर्शियल बैंकिंग समूह के प्रेसिडेंट एवं प्रमुख, श्री विजय शेट्टी ने कहा कि एमएसएमई छत्तीसगढ़ की औद्योगिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जहां राज्य की 96त्न से अधिक औद्योगिक इकाइयां इसी श्रेणी में आती हैं और रायपुर सबसे बड़े केंद्र के रूप में उभर कर सामने आया है। हमारा मानना है कि भारत के विकास की अगली लहर इन्हीं एमएसएमई द्वारा संचालित होगी, और हम सतत विकास के लिए अनुकूलित वित्तीय समाधान, नॉलेज शेयरिंग और तकनीकी समर्थन के माध्यम से इन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इवॉल्व के माध्यम से, हमारा उद्देश्य पूरे क्षेत्र में व्यापारिक नेताओं के साथ साझेदारी करना है, ताकि विकास के अवसरों को खोला जा सके और सामूहिक रूप से भारत की 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की यात्रा को गति दी जा सके। छत्तीसगढ़ में 12.5 लाख से अधिक एमएसएमई उद्यम पंजीकृत हैं, लेकिन अभी औपचारिक ऋण की पहुंच अपेक्षाकृत कम है। इससे संगठित फाइनेंस और तकनीक आधारित कार्यप्रणाली अपनाने के बड़े अवसर मौजूद हैं। रायपुर की भौगोलिक स्थिति, खनिज क्षेत्रों के पास होना और मैन्युफैक्चरिंग व लॉजिस्टिक्स हब होना, इसे इवॉल्व के इस संस्करण के लिए आदर्श स्थान बनाता है। पिछले एक दशक में, इवॉल्व ने 50 से अधिक शहरों में 10,000 से अधिक उद्यमियों के साथ जुड़ाव स्थापित किया है और उन्हें परिचालन एवं तकनीक को मजबूत करने, डिजिटल टूल्स अपनाने, और दीर्घकालिक विकास के लिए अपने व्यवसायों को सतत रूप से विस्तार देने हेतु व्यावहारिक रणनीतियों के साथ समर्थन प्रदान किया है। नॉलेज-शेयरिंग को बढ़ावा देकर और उद्योग जगत के लीडर्स के साथ संपर्क स्थापित कराने के माध्यम से, यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ सहित उभरते आर्थिक केंद्रों में एमएसएमई को निरंतर समर्थन प्रदान करता आ रहा है।

किसान दिवस पर 16 ग्रामों के किसानों ने मनाया सामूहिक उत्सव

कोंडागांव संवाददाता)।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन एवं अंबुजा फाउंडेशन के माध्यम से संचालित समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को जिले के 16 ग्रामों के किसानों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती एवं किसान दिवस के अवसर पर सामूहिक उत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर किसान दिवस के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा किसानों को कृषि में नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों के योगदान को सम्मानित करना और उनकी समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न योजनाओं, नई तकनीकों एवं उन्नत कृषि पद्धतियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना रहा। इस दौरान किसानों ने अपनी सफल कृषि कहानियाँ और अनुभव साझा किए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया गया, जिससे अन्य किसानों को प्रेरणा मिली। कार्यक्रम में जनपद सदस्य लीलावती नाग, सरपंच शकीला पोयाम, उपसरपंच सहदेव पोयाम, उद्यानिकी विभाग से लोकेश्वर प्रसाद ध्रुव, एचडीएफसी बैंक से क्लस्टर हेड चंद्रशेखर राय एवं शाखा प्रबंधक दीपेश शर्मा, परियोजना प्रबंधक योगेश मगदुम, नेहा कुशवाहा, स्वयंसेवक तथा 16 ग्रामों के किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

किसान दिवस कार्यक्रम में एचडीएफसी बैंक के क्लस्टर हेड चंद्रशेखर राय ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि, ÷आज के युग में खेती ही किसान का मुख्य आधार है और किसानी से जुड़े रहना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।÷ उन्होंने खेती को आत्मनिर्भरता और सामुदायिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बताया।

वहीं उद्यानिकी विभाग से उद्यान अधीक्षक लोकेश्वर प्रसाद ध्रुव ने किसानों को सफलता के लिए आवश्यक प्रमुख पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सही बीज के चयन, रासायनमुक्त फसल उत्पादन, मिट्टी की गुणवत्ता के संरक्षण तथा सरकारी योजनाओं को किसानों के खेत तक पहुँचाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सफल किसानों से संवाद भी किया गया, जिससे उपस्थित किसानों को व्यावहारिक अनुभव और प्रेरणा प्राप्त हुई।

श्याम सुंन्दर अग्रवाल बने मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष

केसिंगा

स्थानीय मारवाड़ी सम्मेलन कार्यालय में आज विगत 26 एवं 27 वर्ष के लिए नए अध्यक्ष पद का चुनाव किया गया। जिसमे की श्याम सुंन्दर अग्रवाल को शरब समिति से

अध्यक्ष चुना गया। इस उपलक्ष में प्रांन्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के महासचिव श्री सुभाष अग्रवाल जी का गरिमा में उपस्थित रहा। उनके सानिध्य में ही इस चुनाव संपन्न किया गया। श्री श्याम सुंन्दर जी का नाम का प्रस्ताव जय भगवान जैन ने किया एवं समर्थन लज्जे राम अग्रवाल ने किया। इस चुनाव में केसिंगा शहर से सभी गणमान्य व्यक्ति एवं सम्मेलन के सदस्य गण उपस्थित रहे। श्री श्याम सुंन्दर अग्रवाल विगत कई वर्षो से समाज के हर कार्यक्रम में आगे रहते हैं ।एवं अपना पूर्ण सहयोग देते आ रहे हैं। इस परिपक्षी में श्री अध्यक्ष ने अपना महासचिव का नाम भी घोषणा किया जिसमे की मुकेश कुमार जैन नाम चुना गया। मारवाड़ी सम्मेलन का कार्यालय को पूरे भारतवर्ष में केसिंगा शाखा को सर्वश्रेष्ठ शाखा घोषणा कर चुकी है। यह केसिंगा का शहर के लिए बहुत ही गरिमा मय बात है। सभी सदस्यों ने श्री श्याम सुंदर जी को अपने उज्जवल भविष्य के लिए एवं समाज के काम के लिए ईश्वर से कामना की है। इस परिपक्षी में रुपाड़ा रोड से पधारे विजय अग्रवाल भी अपना गरिमा में उपस्थित जाहिर की है। इस चुनाव में विशेष तौर पर जगदीश अग्रवाल, वीरद्धि चंद्र जैन, जुगल अग्रवाल, जय भगवान जैन, राजेश अग्रवाल, पवन जैन, बंन्टी अग्रवाल, सजन जैन, रमेश बंसल, रामावतार बंसल, कैलाश जैन, एवं शहर के भारी संख्या में सम्मेलन से जुड़े हुए सभी सदस्य की उपस्थित थे।

जिले में अब तक 11 लाख 56 हजार क्विंटल से अधिक धान उपार्जित

कोण्डागांव (संवाददाता)।

राज्य शासन के मंशानुरूप खरीफविपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले में धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। किसानों को अपने धान की उपज को बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए शासन द्वारा खरीदी की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र, आद्रतामापी यंत्र के साथ अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही है।

खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि जिले के उपार्जन केन्द्रों से मंगलवार की स्थिति में 11 लाख 56 हजार 634 क्विंटल धान उपार्जित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि जिले उपार्जन केन्द्रों में से अब तक सबसे ज्यादा धान की खरीदी उपार्जन केन्द्र विश्रामपुरी में कुल 36274 क्विंटल, बहीगांव में कुल 35234 क्विंटल, गम्हरी में कुल 32914 क्विंटल, सलना में कुल 33262 क्विंटल और अरण्डी में कुल 31310 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है।

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी वर्ष को यादगार ढंग से भाजपा मनाएगी

काव्य पाठ एवं उनके यादगार संस्मरण के माध्यम से याद किए जाएंगे अटल जी

राजनांदगांव संवाददाता

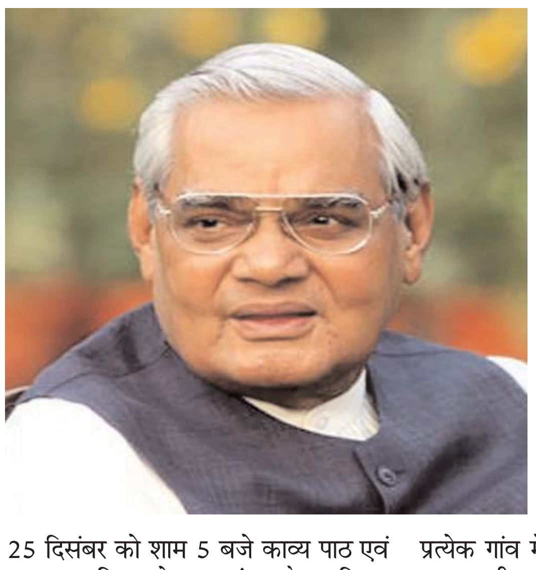

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी वर्ष के तहत प्रदेश भाजपा के आव्हान पर जिला भाजपा द्वारा 24 से 31 दिसंबर तक मंडल एवं जिला मुख्यालय मे विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई है ।

जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने बताया कि आज 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पूरे उत्साह के साथ मंडल एवं जिला स्तर पर मनाई जाएगी । श्री राजपूत ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण अटल जी की दूर दृष्टि का परिणाम है और प्रधानमंत्री सड़क योजना, पोखरण परमाणु बम जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के माध्यम से अटल बिहारी वाजपेई ने देश का मान और सम्मान बढ़ाया था ।

अटल जी की जयंती के अवसर पर राजनांदगांव में भी विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह एवं वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में वर्धमान नगर स्थित अटल परिसर में अटल बिहारी वाजपेई की विशाल प्रतिमा के समक्ष 25 दिसंबर को शाम 5 बजे काव्य पाठ एवं अटल स्मृति सम्मेलन एवं उनके व्यक्तित्व एवं उनकी उपलब्धियों पर व्याख्यान होगा ।

जिला महामंत्री सौरभ कोठारी एवं डिकेश साहू ने इस अवसर पर जिला, मंडल के पदाधिकारी, मोर्चा प्रकोष्ठ, पार्षद, बूथ अध्यक्ष एवं समस्त कार्यकर्ताओं की उपस्थिति का निवेदन करते हुए सभी ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को अटल जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने का आह्वान किया है।

गांव गांव में याद किए जाएंगे अटल जी

जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, सौरभ कोठारी एवं तरुण लहरवानी रोहित चंद्राकर, डिकेश साहू के अनुसार छत्तीसगढ़ के निर्माण में अटल जी की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण एवं गांव गांव में सड़कों के जाल बनने से तथा अटल परिसर एवं अटल चौक बनने के कारण गांव वालों का अटल जी के प्रति विशेष स्नेह है, इसलिए भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को आवाहन किया है कि प्रत्येक गांव में अटल प्रतिमा की सफाई कर प्रकाश की व्यवस्था करते हुए अटल जी की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे ।सभी अटल प्रतिमा एवं सभी गांव के अटल चौक पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण का कार्यक्रम किया जाएगा ।

इस अवसर पर अटल जी की जीवनी पर कवि सम्मेलन, निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी ।

नालंदा लिटरेचर फेस्टिवल 2025 का भव्य समापन; संस्कृति, विचार और विरासत का उत्सव बना यादगार

संवाददाताः

नालंदा लिटरेचर फेस्टिवल 2025 का समापन राजगीर कन्वेंशन सेंटर में चार दिनों तक चले साहित्यिक विमर्श, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और वैचारिक संवाद के बाद गरिमामय और उत्सवी वातावरण में हुआ। समापन दिवस की शुरुआत प्रख्यात हिंदी लेखक और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित विनोद कुमार शुक्ल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की गई, जिनका मंगलवार, 23 दिसंबर 2025 को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वक्ताओं और प्रतिभागियों ने उन्हें आधुनिक हिंदी साहित्य की सबसे मौलिक आवाज़ों में से एक बताते हुए कहा कि उनकी सरल लेकिन गहरी लेखनी ने साधारण जीवन अनुभवों को असाधारण साहित्यिक ऊँचाई दी। उनके साहित्यिक योगदान और आने वाली पीढ़ियों पर पड़े प्रभाव को विशेष रूप से स्मरण किया गया।

दिन भर चले सत्रों में नालंदा की वैश्विक विरासत, भारत की पांडुलिपि परंपरा, लोक संस्कृति में गांधी विचार और भारतीय लिपियों की विरासत जैसे विषयों पर चर्चा हुई। समकालीन मुद्दों को भी प्रमुखता मिली, जिनमें आधुनिक साहित्य में ट्रांसजेंडर प्रतिनिधित्व, गिरमिटिया समुदाय के संदर्भ में भारतीय प्रवासी संस्कृति की विरासत और सीमाओं से परे पहचान की बदलती कहानियाँ शामिल रहीं। बिहार के खानपान, कविता और क्षेत्रीय कलाओं पर केंद्रित सत्रों से समापन दिवस को उत्सवपूर्ण बना दिया।

÷इंटरैक्टिव सेशनः लेगेसी÷ में प्रख्यात विद्वान डॉ. सच्चिदानंद जोशी और मॉरीशस की शिक्षाविद, सांस्कृतिक कार्यकर्ता तथा भोजपुरी आंदोलन की अग्रणी आवाज़ डॉ. सरिता बूधू के बीच सारगर्भित संवाद हुआ। चर्चा में भारतीय सांस्कृतिक विरासत, भाषाई निरंतरता और प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। डॉ. जोशी ने बताया कि विदेशों में बसे भारतीय समुदाय किस प्रकार भाषा, परंपराओं और स्मृतियों को संजोकर रखते हैं, और उन्होंने मॉरीशस के आप्रवासी घाट संग्रहालय के अनुभव भी साझा किए। डॉ. बूधू ने भारत से मॉरीशस तक की अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए मॉरीशस भोजपुरी संस्थान के माध्यम से भोजपुरी भाषा के पुनर्जीवन के प्रयासों पर बात की। उन्होंने कहा कि ÷जब भाषा खो जाती है, तो पहचान भी खो जाती है,÷ और लोक परंपराओं, भोजपुरी मीडिया तथा यूनेस्को से जुड़े प्रयासों के माध्यम से प्रवासी संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

÷नालंदाः विश्व की ओर एक खिड़की÷ सत्र का संचालन मिली ऐश्वर्या ने किया। इस सत्र में डॉ. शशांक शेखर सिन्हा ने नालंदा को केवल खंडहर नहीं, बल्कि एक जीवंत और विकसित होती ज्ञान परंपरा के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने हालिया शोध के आधार पर प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के विशाल और बहुविषयक स्वरूप पर प्रकाश डाला तथा बौद्ध दर्शन, विशेष रूप से शून्यता की अवधारणा, में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। अभय के. ने कहा कि नालंदा की असली शक्ति उन विचारों में थी जो एशिया और दुनिया भर में फैले, और इसे विश्व के प्रारंभिक वैश्विक ज्ञान नेटवर्कों में से एक बनाते हैं।

÷चरखा से चौपाल तकः बिहार की लोक परंपराओं में गांधी विचार÷ सत्र का संचालन विनय कुमार ने किया। इसमें अरविंद मोहन और पुष्यमित्र ने महात्मा गांधी के विचारों का बिहार के लोक जीवन, गांवों और राजनीतिक चेतना पर पड़े प्रभाव पर चर्चा की। अरविंद मोहन ने चंपारण सत्याग्रह के माध्यम से गांधी के जननेता बनने की यात्रा और चौपाल की संवादात्मक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने चरखा और खादी को नैतिक जीवन और आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। पुष्यमित्र ने चरखे के आर्थिक पक्ष पर चर्चा करते हुए इसे औपनिवेशिक शोषण के प्रतिरोध और स्वदेशी उद्योगों के पुनर्जीवन से जोड़ा।

÷बियॉन्ड द बाइनरीः आज के साहित्य में ट्रांसजेंडर चरित्र÷ सत्र का संचालन लेखिका-कवयित्री किरण भट्ट ने किया। इस सत्र में प्रसिद्ध ट्रांसजेंडर लेखिका, कवयित्री और साहित्यिक चिंतक विजयाराजमल्लिका ने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि ट्रांसजेंडर, इंटरसेक्स और एलजीबीटीक्यू+ लेखकों को भारतीय साहित्य की मुख्यधारा में उचित मान्यता दी जाए। उन्होंने कहा कि समृद्ध और प्रभावशाली क्वीयर लेखन के बावजूद ऐसे लेखक आज भी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय साहित्यिक पुरस्कारों और आधिकारिक मान्यता से वंचित हैं। उन्होंने विशेष रूप से बिहार सरकार से आग्रह किया कि ऐसे लेखकों को सम्मानित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि सांस्कृतिक समावेशन और सामाजिक न्याय को बढ़ावा मिल सके।

÷चोखा और गमछा से आगे की कहानियाँ÷ सत्र का संचालन रविशंकर उपाध्याय ने किया। इसमें सांस्कृतिक टिप्पणीकार अखिलेंद्र मिश्रा ने बिहार के खानपान को उसके इतिहास, दर्शन और सामाजिक मूल्यों से जोड़कर प्रस्तुत किया। उन्होंने रामचरितमानस और बौद्ध कथाओं के उदाहरण देते हुए भोजन को स्मृति और नैतिकता का वाहक बताया। आधुनिक फास्ट-फूड संस्कृति की आलोचना करते हुए उन्होंने पारंपरिक भोजन को संतुलित और टिकाऊ बताया तथा मखाना, तिलकुट, अनरसा और सिलाव खाजा जैसे जीआई टैग प्राप्त उत्पादों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। ÷वेरासिटीज ऑफ पोएम÷ लाइव शो का संचालन दिनेश माली ने किया। इसमें पद्मश्री हलधर नाग, आशुतोष अग्निहोत्री और डॉ. अजीत प्रधान ने कविता पाठ और संवाद के माध्यम से कविता की सच्चाई, भावनात्मक शक्ति और वैश्विक प्रासंगिकता पर चर्चा की। भाषा, अनुवाद और भारतीय कविता की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति जैसे विषयों पर भी विचार रखे गए।

संस्कृति की रक्षा के लिए जांजगीर-नैला में दिखा जनसैलाब व्यापारियों के अभूतपूर्व समर्थन से ऐतिहासिक 'नगर बंद' सफल

जांजगीर-चांपाः

कांकेर के आमाबेड़ा में जनजातीय समाज की परंपराओं पर हुए आघात और ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों के विरोध में आज जांजगीर-नैला की सड़कों पर एकता का शंखनाद हुआ। सर्व समाज छत्तीसगढ़ के आह्वान पर आयोजित 'जांजगीर नगर बंद' पूर्णतः सफल रहा, जहाँ व्यापारियों से लेकर आम जनमानस ने अपनी स्वेच्छा से प्रतिष्ठान बंद रख इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

विशाल पदयात्रा और गगनभेदी नारे

प्रातः 9 बजे नैला के परशुराम चौक से विशाल पैदल रैली का शुभारंभ हुआ। रैली में सर्व समाज के भारी संख्या में लोग हाथों में अपनी संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा की तख्तियां लिए शामिल हुए। ÷अपनी संस्कृति-अपनी पहचान÷ के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। यह पदयात्रा नैला से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए कचहरी चौक पहुंची।

व्यापारी जगत का ऐतिहासिक सहयोग - बंद का असर व्यापक रहा। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स (इकाई जांजगीर) के आह्वान पर शहर की छोटी-बड़ी सभी दुकानें और व्यापारिक संस्थान पूरी तरह बंद रहे। विशेष बात यह रही कि जिन आवश्यक सेवाओं (दवाई दुकान, स्वास्थ्य एवं अन्य सभी आवश्यक आपातकालीन सेवाएं, स्कूल, सरकारी कार्यालय) को बंद से राहत दी गई थी, उन्होंने भी अपना आधा शटर गिराकर और आंशिक रूप से कार्य कर इस विरोध प्रदर्शन को अपना नैतिक समर्थन दिया। व्यापारियों के इस एकजुट सहयोग की सर्व समाज द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई।

प्रशासन को सौंपा गया ज्ञापन - रैली के समापन पर कचहरी चौक में एक सभा आयोजित की गई, जिसके पश्चात स्ङरू (अनुविभागीय अधिकारी) को राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि जनजातीय परंपराओं पर हो रहे प्रहार और अवैध मतांतरण की साजिशों पर तुरंत रोक लगाई जाए तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

शांतिपूर्ण और अनुशासित प्रदर्शन - सर्व समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आंदोलन पूर्णतः लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में रहा। उन्होंने कहा, ÷आज का यह जनसैलाब इस बात का प्रमाण है कि समाज अपनी जड़ों और गौरवशाली परंपराओं के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगा।÷ इस सफल आयोजन के लिए सर्व समाज छत्तीसगढ़ ने नगर के व्यापारियों, युवाओं, मातृशक्ति और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

दो दिवसीय दिव्यांग खेलों का हुआ समापन

जांजगीर चांपा /

समाज कल्याण विभाग एवं जिला दिव्यांग संघ के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय दिव्यांग खेल का आज समापन हो गया जिसमें व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता एवं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया था । कबड्डी प्रतियोगिता में कोरबा जिले ने शक्ति जिले को 23 - - 05 से हराकर खिताब पर कब्जा किया वहीं क्रिकेट मैच में शक्ति ने सेमीफाइनल मुकाबले में जांजगीर को हरा कर फाइनल में जगह बनाई जिसमें किशन रावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शतक लगाया। फाइनल मुकाबले में शक्ति जिले के पहले बल्लेबाजी करते हुए 123 रन बनाकर कोरबा के सामने 124 रनों की चुनौती रखी जिसमें कोरबा ने जीत का प्रयास करते हुए मैच को अंतिम ओवर तक की परंतु 3 रन के मामूली अंतर से हार गया और शक्ति की टीम व्हीलचेयर क्रिकेट मैच का खिताब अपने नाम किया । आज मैच के दौरान ब्यास कश्यप विधायक , पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिनेश शर्मा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए मैदान पर पहुंचे थे । क्रिकेट का क्रिकेट का प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट जांजगीर जिले खिलाड़ी धनंजय तो कबड्डी टूर्नामेंट प्लेयर ऑफ द खिलाड़ी लकी कोरबा जिला के खिलाड़ी को प्रदान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में जिला दिव्यांग संघ के राधा कृष्ण गोपाल , अनिल राठौर अधिवक्ता , कैलाश , विजय , सावित्री , ललिता , संतोष , फाइटर क्रिकेट क्लब के राजेश राठौड़ , सोनू राठौर , दीपक यादव तथा जिला क्रिकेट संघ, जिला बास्केटबॉल संघ , जिला नेटबाल संघ के पदाधिकारी का विशेष योगदान रहा । पूरे मैच में कमेंट्री एवम् मंच संचालन अनिल राठौर अधिवक्ता द्वारा किया गया , आभार प्रदर्शन राजेश राठौर द्वारा किया गया।

भारतीय जनता पार्टी जिले मे अटल जी की जन्म जयंती को जन्म शताब्दी वर्ष के रूप मे मनाएगी

जांजगीर चाम्पा -

प्रदेश भाजपा नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा पुरे देश प्रदेश के कोने कोने मे भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती को इस वर्ष भाजपा ने निर्माण वर्ष घोषित किया है । भाजपा जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने अटल जी की जयंती को जिले मे मनाने के लिए जिले व सभी मंडलो के संयोजक व सदस्यो की टोली बनाई है ।

कार्यकर्ताओ ने अपने अपने मंडल के नगर व गांव के अटल परिसर मे अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुरे परिसर मे स्वच्छता अभियान चलाकर साफसफाई की और शाम को पुरे परिसर मे कार्यकर्ताओ ने दीप प्रज्वलित किए । इस दौरान परिसर को दीप से सजाकर जगमगाया और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई अमर रहे के नारे लगाए । सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम मे कल जिला मुख्यालय एवं सभी मंडलो अटल जी के जीवन पर प्रदर्शनी व संगोष्ठी आयोजित की जायेगी । विधानसभा स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे जिसमे अलग अलग वक्ता अलग अलग विषयो पर अपनी बात रखेंगे । आज के स्वच्छता अभियान कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े , जांजगीर नगर पालिका अध्यक्ष रेखा गढ़वाल , जिला महामंत्री नंदनी रजवाड़े , जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल , आशुतोष गोस्वामी , मंडल अध्यक्ष हितेश यादव , विवेका गोपाल , आई टी सेल संयोजक अनिल शर्मा , सोशल मीडिया सहसंयोजक राकेश रुपवानी , मणिकांत अग्रवाल , अजय कौशिक , रामगोपाल चौरसिया सहित अनेक कार्यकर्ताओ की उपस्थिती मे कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन मृतक के घर पहुँचे : केरल में बंग्लादेशी समझ पीटकर युवक की हत्या

संवाददाता

छ.ग. सक्ती जिले के हसौद तहसील के ग्राम करही के अनुसूचित जाति परिवार के गरीब 31 वर्षीय नौजवान रामनारायण बघेल रोजगार की तलाश में दिनांक 13 दिसबंर 2025 को गांव से केरल के पलक्कड़ जिला के लिए रवाना हुआ और 15 दिसंबर 2025 को पलक्कड़ पहुँचा दिनांक 17 दिसंबर 2025 को लगभग शाम 5.00 बजे कुछ लोगों ने बंगलादेशी होने के आरोप लगाकर पीट-पीट कर हत्या कर दी और कल मृत शरीर को केरल से गांव लाया गया आज 24.12.2025 को अंतेष्टि संपन्न हुई।

पीड़ित परिवार से भेंटकर वस्तुस्थिति से अवगत होने पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन मृतक के घर पहुँचे और मृतक की माँ श्रीमती श्यामा देवी, धर्मपत्नि श्रीमती ललिता बघेल, बड़े भाई रामकिशन बघेल एवं परिजनों से भेंटकर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट कर मृतक की आत्मा की शांति के लिए भगवान वासुदेव श्रीकृष्ण जी से प्रार्थना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक देवांगन ने स्थानीय संवाददाता से चर्चा में कहा कि ''देश में और प्रदेश में भाजपा सरकार लाखों करोड़ों लोगों को प्रतिवर्ष रोजगार देने का वादा तो करती है किंतु सच्चाई ठीक इसके विपरीत है भयावह बेरोजगारी का यह प्रत्यक्ष प्रमाण है प्रदेश भाजपा सरकार पलायन रोकने में बुरी तरह से असफल है 3000 हजार की आबादी का गांव करही में लगभग 300-400 लोग रोजगार की तलाश में पलायन करते हैं, दो दिन पहले ही छत्तीसगढ़ के जाँजगीर-चाम्पा जिले में मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री सहित सभी मंत्रिमंडल सदस्यों के साथ दो वर्ष पूर्ण की उपलब्धि पर जश्न मनाते हैं क्या यही उपलब्धि है ? मेरी सरकार से मांग है कि परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी एवं 25 लाख रु. मुआवजा दें एवं पलायन रोकने में अकर्मण्य संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के आदेश दें। दुख की बात है कि आज दिनांक 24.12.2025 तक छ.ग. सरकार की ओर से पीड़ित परिवार को एक रुपया का भी आर्थिक सहयोग नहीं मिला है।'' इस अवसर पर विपिन देवांगन, सुखसागर पटेल सरपंच पिपरदा, पूर्व सरपंच गेंदराम पटेल एवं अन्य गांव के लोग उपस्थित थे।

सभापति ने सिऊड़ के हिरेन्द्र को प्रदान किया श्रवण यंत्र

जांजगीर-चाम्पा। जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू ने अपने क्षेत्र के एक वरिष्ठ नागरिक को श्रवण यंत्र प्रदान किया। नवागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सिऊड़ निवासी 87 वर्षीय हिरेन्द्र सिंह बनाफर को कानों में सुनने थोड़ी परेशानी थी, इस समस्या को देखते हुए, सभापति राजकुमार साहू ने तत्काल संज्ञान लेते हुए श्री सिंह को जिला पंचायत स्थित समाज कल्याण से श्रवण यंत्र प्रदान करवाया। श्रवण यंत्र मिलने उपरांत हिरेन्द्र सिंह ने सभापति को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मुझे श्रवण यंत्र मिलने से अब सुनने में किसी भी प्रकार से परेशानी नहीं होगा अब मैं भी अन्य सामान्य लोगों की तरह अच्छी तरह से सुन सकता हूँ और समझ सकता हूँ।

चाकू लहराते हुए आने जाने वालों को भयाक्रांत करने वाले आरोपी गिरफ्तार

कोटमी सोनार पुलिस द्वारा आरोपी बदमाश का जुलुस भी निकाला गया

जांजगीर चांपा / चाकु लहराकर आने जाने वालों को डराने के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है ।मामले का विवरण इस प्रकार है कि थाना अकलतरा पुलिस को मुखबीर सूचना मिला कि ग्राम कोटमीसोनार रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति अपने हाथ में लोहे का चाकू लेकर आने जाने वाले लोंगों को लहराकर डरा धमका रहा है । उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी राजेंद्र सिंह क्षत्रिय के नेतृत्व में रेड कार्यवाही किया । मौके पर प्रियांशु यादव ऊर्फ युडी मिला जो अपने हाथ में एक लोहे का चाकू लहराते हुए आने जाने वाले लोंगों को डरा धमका रहा था , जिसे घेराबंदी कर पकडा । उसके कब्जे से एक लोहे का चाकू बरामद कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा एवं पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी कोटमीसोनार राजेंद्र सिंह क्षत्रिय एवं स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

सुशासन सप्ताह के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध सेवा ही सुशासन का मूल मंत्र - कलेक्टर श्री महोबे

जांजगीर-चांपा / सुशासन सप्ताह के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में किया गया। जिले में 19 से 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सरकारी कामकाज को लोगों के लिए अधिक आसान और पारदर्शी बनाना है। जिले में आयोजित सुशासन सप्ताह के अंतर्गत कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों को पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध सेवाएं प्रदान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वे जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और तत्परता से निराकरण करें। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि कार्यालयों में आने वाले आवेदकों की बात गंभीरता से सुनी जाए, उनकी समस्याओं को समझते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सुशासन का अर्थ केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि जनविश्वास को मजबूत करना है। इसके लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ निर्वहन करें, ताकि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक समय पर पहुँच सके।

कार्यशाला में विभिन्न विभाग के अधिकारियों द्वारा किये गये नवाचारों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में ईडीएम श्री सुनिल साहू ने बताया कि कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के विशेष पहल पर जिले में ई-गवर्नेंस की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए जांजगीर चांपा निर्माण मॉनिटरिंग पोर्टल कि रूप में जिला प्रशासन द्वारा नवाचार की शुरुआत की गई है। यह पोर्टल न केवल प्रशासनिक कार्यों को आसान बनाएगा, बल्कि आम जनता को भी सीधे विकास कार्यों से जोड़ेगा। इस नए पोर्टल के माध्यम से संबंधित निर्माण एजेंसियों को अपने कार्य की प्रविष्टि ऑनलाइन करनी होगी। इसमें कार्य का नाम, लागत, एजेंसी का नाम और स्थिति जैसी कई महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल होंगी। इस पोर्टल का सबसे बड़ा उद्देश्य जनता को सशक्त बनाना है। अब कोई भी नागरिक अपने मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से पोर्टल खोलकर यह देख सकता है कि उसके क्षेत्र में कौन से कार्य स्वीकृत हैं। कुछ ही क्लिक में सारी जानकारी उपलब्ध होने से प्रशासन और जनता के बीच पारदर्शिता बढ़ेगी। इसके साथ ही कार्यशाला में ई-ऑफिस, जेम पोर्टल, बायोमैट्रिक अटेंडेंस, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की ऑनलाई भर्ती सॉफ्टवेयर, बीज निगम द्वारा संचालित चैम्प्स की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती स्निग्धा तिवारी, सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

कृष्णधर गोयल को मिली अनुकम्पा नियुक्ति

कोरबा दिवंगत शिक्षक (पंचायत) संवर्ग की कर्मचारी स्वर्गीय कुमारी विद्या गोयल के आश्रित सदस्य (भाई) श्री कृष्णधर गोयल को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। शुक्रवार को जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन कुमार सिंह के द्वारा श्री गोयल को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। अनुकम्पा नियुक्ति हेतु रिक्त पद पर श्री कृष्णधर गोयल, पिता श्री कार्तिकराम गोयल, निवासी ग्राम मुढ़ाली, पोस्ट जवाली, तहसील कटघोरा, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) को प्राथमिक शाला बम्हनीकोना (मुड़ापार), विकासखण्ड पाली, जिला कोरबा में पदस्थ किया गया है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिनेश कुमार नाग ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए नियमानुसार अनुकम्पा नियुक्ति आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति का उद्देश्य शोक संतृप्त परिवार को संबल प्रदान करना है, ताकि वह सम्मानपूर्वक आजीविका अर्जित कर सके। नियुक्ति प्राप्त करने पर श्री कृष्णधर गोयल ने जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बालको अस्पताल ने 757 बच्चों को पिलाई पल्स पोलियो की दवा

कोरबा)। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में भागीदारी निभाई। बालको अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक सिन्हा के नेतृत्व में 757 से अधिक बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक दी गई। अभियान की शुरुआत बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार की उपस्थिति में अस्पताल से की गई। अस्पताल के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीमों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अभियान को सफल बनाया.

जिले में 22 दिसंबर तक किसानों से 679976.80 क्विंटल धान की हुई खरीदी,

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफवर्ष 2025-26 में जिले के 65 धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से किसानों में हर्ष व्याप्त है। धान खरीदी केंद्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों की उपज खरीदी के लिए ऑनलाइन टोकन वितरण, बारदाने की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से तौलाई, शीघ्रता से भुगतान आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। जिले में 52 हजार से अधिक किसान धान विक्रय के लिए पंजीकृत है। जिले में 22 दिसम्बर तक 679976.80 क्विंटल गुणवत्तायुक्त धान पंजीकृत किसानों से खरीदी की गई है। जिला प्रशासन द्वारा समितियों से धान का उठाव भी शीघ्रता से कराया जा रहा है। कोरबा जिले में अब तक 440158 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। जिला प्रशासन द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों एवं संवदेनशील धान खरीदी केन्द्रो से प्राथमिकता से धान का उठाव किया जा रहा है। जिससे किसानों को धान बेचने में परेशानी न हो।

साथ ही किसानो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संग्रहण केन्द्रों की व्यवस्था एवं समितियों में धान की स्टैकिंग कराकर स्थान बनाया गया है।

पूजादृविधि विधान के साथ पक्के आवासों में हुआ गृह प्रवेश

जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1600 से अधिक परिवारों ने अपने सपनों के घर में किया गृह प्रवेश'

अपने सपनों का घर पा कर ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिले

कोरबा-संवाददाता। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में आज खुशियों का माहौल देखने को मिला, जब 1610 पात्र ग्रामीण परिवारों ने अपने नव निर्मित पक्के आवासों में विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ गृह प्रवेश किया। वर्षों से पक्के मकान का सपना संजोए ग्रामीणों के लिए यह दिन यादगार बन गया। अपने स्वयं के घर की चैखट लांघते ही हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

जिला प्रशासन द्वारा शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निरंतर सुचारू कार्यप्रणाली, पारदर्शिता एवं समयबद्ध पूर्णता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि जिले में बड़ी संख्या में आवास निर्माण पूर्ण होकर आज गृह प्रवेश के रूप में साकार हुए हैं।

सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीब एवं वंचित परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सम्मान का आधार बन रही है। सभी जनपदों में आवास निर्माण की प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया गया है कि वे सतत फील्ड में रहकर मॉनिटरिंग करें तथा शेष आवासों को भी शीघ्र पूर्ण कराएं।÷

जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण को दी जा रही प्राथमिकता का परिणाम आज 1610 पूर्ण आवासों का सामूहिक गृह प्रवेश है।

जनपद पंचायत करतला में 346 आवास,कटघोरा में 116आवास, कोरबा में 300 आवास,पोड़ी उपरोड़ा में 419 आवास और जनपद पंचायत पाली में 429 पक्के पूर्ण आवासों में ग्रामीण परिवारों के द्वारा आज गृह प्रवेश किया गया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत कोरबा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री खगेश निर्मलकर द्वारा ग्राम पंचायत कुरूडीह के श्री दौलत राम एवं ग्राम पंचायत गोड़ी के श्री लक्ष्मण यादव को श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर गृह प्रवेश कराया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से जिले के सुदूर अंचलों तक पक्के आवासों की पहुंच सुनिश्चित हो रही है, जिससे ग्रामीणों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है और वे सुरक्षित, सम्मानजनक आवास में जीवन यापन कर पा रहे हैं।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जनदर्शन में सुनी दूरस्थ व वनांचल क्षेत्र के लोगों की समस्याएँ

अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर शीघ्रता से निराकरण के दिए निर्देश

मानदेय शिक्षक भुगतान प्रकरण में शिक्षा विभाग को त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

वनाधिकार पट्टाधारी किसानों के धान विक्रय में आ रही बाधाओं के निराकरण करने हेतु खाद्य अधिकारी को किया निर्देशित

कोरबा संवाददाता । कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन के दौरान जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरण अनुसार आवेदन प्रेषित करते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

जनदर्शन में नागरिकों ने बारी-बारी से अपनी समस्याएँ कलेक्टर के समक्ष रखीं। करतला विकासखण्ड के ग्राम घिनारा निवासी किसान श्री कोमल सिंह राठिया द्वारा धान विक्रय हेतु फौती नामांतरण से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कलेक्टर को जानकारी देते हुए बताया कि कुछ समय पूर्व उनके पिता श्री मनराम राठिया का निधन हो गया है, किंतु दस्तावेजों में भूमि अब भी उनके पिता के नाम दर्ज होने के कारण उन्हें धान विक्रय में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर श्री दुदावत ने प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए आवेदन करतला तहसीलदार को प्रेषित कर जांच उपरांत आवश्यक कार्यवाही करते हुए किसान को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार आवेदक निर्दोष कुमार कंवर द्वारा मानदेय भुगतान संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि वे अगस्त 2025 से पंचायत की सर्वसम्मति से कोरबा के प्राथमिक शाला दरगा में मानदेय शिक्षक के रूप में सेवाएँ दे रहे हैं, किंतु अब तक उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन का परीक्षण कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। पाली तहसील के ग्राम लोहड़िया निवासी श्रीमती नीरा बाई, पति श्री कुशाल सिंह द्वारा रकबा संशोधन से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि शासन से प्राप्त वनाधिकार पट्टा अंतर्गत उनकी कुल भूमि 0.809 हेक्टेयर है, जिस पर धान की फसल लगाई गई है, किंतु गिरदावरी में फसल प्रविष्टि के दौरान रकबा शून्य दर्ज हो जाने के कारण उपज विक्रय में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रकरण को संवेदनशीलता से लेते हुए कलेक्टर ने जिला खाद्य अधिकारी एवं तहसीलदार पाली को आवेदन की शीघ्र जांच कर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एसटी, एससी व ओबीसी वर्ग के छात्रों से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन की तिथि बढ़ी

कोरबा)। जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं डाइट आदि के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं संस्थान में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो राज्य शासन द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं, तथा संस्थाओं के प्राचार्योध्संस्था प्रमुखों, छात्रवृत्ति प्रभारियों को सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाईन की जा रही है की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2025-26 छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदनध्पंजीयन (नवीनध्नवीनीकरण) हेतु अंतिम तिथि 15 जनवरी 2025 तक, संस्थाओं द्वारा प्रपोजल लाक कर सहाय आयुक्त आदिवासी विकास को प्रेषित करने की तिथि।

05 फरवरी 2026, शासकीय संस्थाध्जिला कार्यालय द्वारा सेन्शन आर्डर लाक करने की तिथि 08 फरवरी, जिला कार्यालय द्वारा भुगतान हेतु राज्य कार्यालय को प्रेषित करने की तिथि 10 फरवरी और छात्रवृत्ति भुगतान करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है।

सहायक आयुक्त ने बताया कि निर्धारित तिथि के पश्चात् शिक्षा सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाईन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा। निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख जिम्मेदार होंगे। छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है।

सर्पदंश, पानी में डूबने से मृत्यु होने से 07 मृतकों के परिवार के निकटतम व्यक्तिध्वारिसों को कुल 28 लाख रूपयों की सहायता राशि स्वीकृत

कोरबा संवाददाता।

कलेक्टर कोरबा के निर्देश पर अपर कलेक्टर कटघोरा श्री ओंकार यादव द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कटघोरा, पाली एवं पोंड़ीउपरोड़ा की अनुशंसा पर सर्पदंश, पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण 07 मृतकों के परिवार के निकटतम व्यक्तिध्वारिसों को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत चार-चार लाख रूपये के मान से कुल 28 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जारी आदेश के अनुसार सर्पदंश से 30 अगस्त 2024 को शिवशंकर मरार आत्मज पीतांबर पटेल साकिन जुराली तहसील पोंड़ीउपरोड़ा की मृत्यु हो जाने के कारण उनकी पत्नी सरिता पटेल, 10 सितंबर 2024 को प्रभुसिंह आत्मज उमेंद सिंह साकिन सिर्री तहसील पसान की मृत्यु हो जाने से उनकी पत्नी शिवकुमारी और 02 मार्च 2025 को अंजली कुमारी धनवार साकिन छिंदपानी तहसील हरदीबातार की मृत्यु हो जाने से उनके पति रविशंकर धनवार को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत चार-चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह 26 मार्च 2025 को ग्राम अखरापाली (मौहाडीह) में स्थित वीर सिंह मुड़ा तालाब के पानी में डूबने से प्रवीण कुमार यादव साकिन अखरापाली तहसील दीपका की मृत्यु हो जाने से उनके पिता प्यारेलाल यादव, 21 जून 2023 को भूरी बाई पति स्व. मालिक राम यादव साकिन हरदीकला तहसील दीपका की कुआं के पानी में डूबने से ।

खेत से उपार्जन केंद्र तक सहज सफर, पारदर्शी प्रक्रिया ने किसानों के दिल में जगाया भरोसा

'किसानों की आय बढ़ाने में सरकार की सराहनीय पहल

कोरबा संवाददाता।

राज्य के किसानों के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 एक भरोसे और संतोष का वर्ष बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लागू की गई धान खरीदी व्यवस्था ने किसानों को यह विश्वास दिलाया है कि उनकी मेहनत का पूरा और उचित मूल्य उन्हें निश्चित रूप से मिलेगा। सरल, पारदर्शी और सुव्यवस्थित प्रक्रिया के कारण किसान बिना किसी तनाव और परेशानी के अपना धान उपार्जन केंद्रों में विक्रय कर पा रहे हैं। उच्चतम समर्थन मूल्य पर समयबद्ध खरीदी, टोकन आधारित व्यवस्था तथा उपार्जन केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं ने किसानों के अनुभव को सहज और सम्मानजनक बना दिया है।

इसी क्रम में ग्राम गढ़ उपरोड़ा के किसान श्री असमान्त सिंह ने राज्य सरकार की धान खरीदी व्यवस्था से संतुष्टि व्यक्त की है। श्री सिंह के पास कुल 06 एकड़ कृषि भूमि है। वे इस वर्ष 40 क्विंटल धान लेकर सोनपुरी उपार्जन केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने सहज एवं व्यवस्थित तरीके से अपना धान विक्रय किया।

श्री सिंह ने बताया कि उन्होंने समिति से पहले ही टोकन प्राप्त कर लिया था, जिससे उपार्जन केंद्र पर किसी प्रकार की भीड़ या अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ा। केंद्र पर तौल, पंजीयन एवं भुगतान से संबंधित सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध और पारदर्शी रहीं। किसानों के बैठने, छाया, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था होने से उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हुई।

सरस्वती शिशु मंदिर दर्री में शैक्षणिक भ्रमण, मनोरंजक पिकनिक एवं गणित मेले का भव्य आयोजन

सिपेट और अप्पू गार्डन भ्रमण से विद्यार्थियों का बौद्धिक व मानसिक विकास, गणित मेले में नन्हे वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

कोरबा सरस्वती शिशु मंदिर एचटीपीपी दर्री में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यावहारिक ज्ञान तथा बौद्धिक क्षमता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण, पिकनिक एवं गणित मेले का सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक जीवन से जुड़ी जानकारियां प्राप्त करने का अवसर मिला।

विद्यालय के माध्यमिक, उच्च एवं उच्चतर विभाग के कक्षा षष्ठम से एकादश तक के भैया-बहनों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु सिपेट (सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) ले जाया गया। इस भ्रमण के दौरान श्री रजनीश पांडे के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को पेट्रोकेमिकल, पॉलिमर एवं प्लास्टिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि सिपेट की स्थापना वर्ष 1968 में भारत सरकार द्वारा की गई थी तथा यह रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अंतर्गत संचालित एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान प्लास्टिक उद्योग के लिए आवश्यक तकनीकी ज्ञान, कौशल विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न आधुनिक मशीनों को देखा और यह जाना कि किस प्रकार प्लास्टिक को विभिन्न आकार देकर दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाई जाती हैं। साथ ही उन्हें यह जानकारी भी दी गई कि प्लास्टिक पूर्णतः नष्ट नहीं होता, बल्कि उसे पुनर्चक्रण के माध्यम से दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। सिपेट में प्लास्टिक रीसाइक्लिंग की प्रक्रिया को देखकर विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी विकसित हुई। इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यालय के प्राचार्य, समस्त आचार्यगण एवं सहयोगीगण उपस्थित रहे।

इसी क्रम में विद्यालय के प्राथमिक विभाग के कक्षा प्रथम से पंचम तक के विद्यार्थियों को मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक पिकनिक हेतु अप्पू गार्डन, कोरबा ले जाया गया। इस भ्रमण में सरस्वती शिक्षा संस्थान से श्री कीर्ति कुमार अग्रवाल, प्राथमिक विभाग के सभी कक्षाचार्य एवं सहयोगी श्री कृष्णा वैष्णव सम्मिलित हुए। बच्चों ने विभिन्न खेलों, झूलों एवं गतिविधियों का आनंद लेते हुए आपसी सहयोग, अनुशासन एवं सामाजिक व्यवहार का अनुभव प्राप्त किया। पिकनिक के दौरान बच्चों के चेहरों पर उत्साह और प्रसन्नता स्पष्ट दिखाई दी।

इसके अतिरिक्त प्रति वर्ष की भांति भारत के महान गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन के जन्मदिवस 22 दिसंबर के अवसर पर विद्यालय परिसर में गणित मेला आयोजित किया गया। प्रभारी आचार्य सुश्री आरजू सहीस के निर्देशन में विभाग स्तर पर अनेक रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि और आत्मविश्वास बढ़ा। प्राथमिक विभाग में चित्रकला प्रतियोगिता में रोशनी वैष्णव, मॉडल निर्माण में विंशी, उल्टी गिनती में नेहाली साहू तथा पहाड़ा प्रतियोगिता में कुनाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। माध्यमिक विभाग में सीधी गिनती में दिव्या जाल, पहाड़ा में चंद्रवती टेकाम, अनुमानित लंबाई-चैड़ाई में पूनम साहू, चित्रकला में शशांक सिंह, निबंध प्रतियोगिता में यामिनी

एआई जनरेटेड अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर नाबालिग को किया ब्लैकमेल, व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल, दो सप्ताह बाद भी आरोपी फरार, ० पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई गुहार

कोरबा । छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से साइबर अपराध और महिला सुरक्षा से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। पाली थाना क्षेत्र के ग्राम बनबंधा में 25 वर्षीय युवक ने एक नाबालिग लड़की की एआई से जनरेटेड अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर गांव के व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल कर दिए। घटना के बाद से पीड़िता और उसका परिवार भय के साए में जी रहा है।

पीड़ित परिवार ने बताया कि आरोपी युवक की पहचान रतिराम यादव (25 वर्ष) के रूप में हुई है, जो लंबे समय से नाबालिग लड़की पर बुरी नीयत रखता था और उसे परेशान करता था।

मिलने के लिए दबाव, नहीं आई तो वीडियो वायरल

जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक ने लड़की की एआई जनरेटेड अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर उसे भेजा और मिलने के लिए दबाव बनाया। आरोपी ने धमकी दी कि यदि वह मिलने नहीं आई तो वह फोटो-वीडियो को गांव के व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल कर देगा। लड़की द्वारा मिलने से इनकार करने पर आरोपी ने अपनी धमकी को अंजाम देते हुए अश्लील फोटो और वीडियो व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल कर दिए, जिससे पीड़िता और उसके परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची।

धमकी देने का आरोप, पुलिस पर भी सवाल

घटना की जानकारी मिलने पर पीड़िता के परिजनों ने 5 दिसंबर 2025 को पाली थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया, लेकिन करीब दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी खुलेआम उन्हें धमकी दे रहा है और कह रहा है कि उसने पुलिस और साइबर सेल को ÷खरीद÷ लिया है, इसलिए उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

एसपी से की गिरफ्तारी की मांग आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से आक्रोशित पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक कोरबा से मुलाकात कर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)